राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube LinkedIn
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार, 6 अप्रैल 2021 वर्ष-4, अंक -72 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दोबारा कोरोना संक्रमण का रहस्य सुलझा रहे विज्ञानी

नई दिल्ली। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने अपने तरह के पहले अभ्यास के अंतर्गत देश में कोविड-19 से दोबारा संक्रमित होने वालों की पहचान का प्रयास किया है। इपिडेमियोलॉजी एंड इंफेक्शन नामक पत्रिका ने इसके प्रकाशन की सहमति दे दी है।

ऐसे होता है निर्धारण

विज्ञानी दोबारा संक्रमण के प्रमाण के लिए वायरस के नमूनों के जिनोम विश्लेषण पर गौर करते हैं। चूंकि वायरस में लगातार बदलाव हो रहे हैं, इसलिए दो नमूनों के जिनोम सिक्वेंस में भी कुछ अंतर होना चाहिए। हालांकि, सभी संक्रमितों के नमूनों का जिनोम सिक्वेंसिंग के लिए संग्रह नहीं किया जा रहा है, क्योंकि यह बहुत बड़ी चुनौती होगी। महज कुछ लोगों के नमूमों को अध्ययन के लिए भेजा जाता है। 1,300 वैसे लोगों पर अध्ययन किया गया जो दोबारा संक्रमित हुए थे। पाया गया कि इनमें से 58 यानी 4.5 फीसद को वास्तव में दोबारा संक्रमितों की श्रेणी में रखा जा सकता है। ये 102 दिनों के भीतर दूसरी बार संक्रमित हुए। बीच में भी उनकी जांच कराई गई थी, जिसकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। इनकी उम्र 20-40 वर्ष थी और 12 स्वास्थ्य कर्मी थे। आइसीएमआर के विज्ञानियों ने जिनोम विश्लेषण के बजाय मरीज की कम से कम 102 दिनों के बीच की दोनों रिपोर्ट का अध्ययन किया। अमेरिकी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल का मानना है कि वायरल शेडिंग (शरीर में वायरस के विस्तार) में करीब 90 दिन लगते हैं। वायरल शेडिंग की आशंकाओं से निपटने के लिए विज्ञानियों ने 102 दिनों के भीतर एक अन्य जांच करवाई थी, जो निगेटिव निकली। हालांकि, जिनोम विश्लेषण के अभाव में इन 58 को दोबारा संक्रमण का पुष्ट मामला नहीं माना जाएगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जब कोई व्यक्ति कोरोना संक्रमित होता है तो उसके शरीर में स्थायी इम्यूनिटी विकसित होती है

रंग लाई ममता बनर्जी की अपील

इस हॉट सीट पर टीएमसी के लिए प्रचार करेंगी समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन

कोलकाता। ममता बनर्जी ने पिछले ही दिनों कांग्रेस समेत देश के प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं को चिट्ठी लिखी थी और बीजेपी के खिलाफ एकजुट होने की अपील की थी। उनकी यह अपील रंग लाती दिख रही है और समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन सोमवार को टीएमसी उम्मीदवार के लिए प्रचार करेंगी। जबलपुर की रहने वालीं जया बच्चन मूल रूप से बंगाल की ही हैं। इसी के चलते अकसर अमिताभ बच्चन को बंगाल का दामाद भी कहा जाता रहा है। टीएमसी ने जया बच्चन को अपनी स्टार प्रचारक की लिस्ट में शामिल किया है। रविवार देर शाम को जया बच्चन कोलकाता पहुंचीं और सोमवार को टालीगंज से टीएमसी कैंडिडेट अरूप बिस्वास के समर्थन में कैंपेन करेंगी। बिस्वास का मुकाबला बीजेपी के उम्मीदवार बाबुल सुप्रियो से हो रहा है।

नंदीग्राम के बाद यह सीट भी काफी चर्चा में है। एक तरफ तीन बार के टीएमसी विधायक अरूप बिस्वास अपनी सीट बचाने के लिए मैदान में उतरने वाले हैं तो वहीं दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो बीजेपी की ओर से मैदान में उतर रहे हैं। बाबुल सुप्रियो एक लोकप्रिय गायक हैं और खासतौर पर बांग्ला सिनेमा में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। टालीगंज की बात करें तो यह इलाका बांग्ला सिनेमा का गढ़ है। इस बीच उनके खिलाफ प्रचार के लिए जया बच्चन का आना विपक्षी दलों की एकजुटता का भी संदेश है, जिसकी अपील टीएमसी की मुखिया और सीएम ममता बनर्जी ने की थी।

इससे पहले बीते महीने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि उनकी पार्टी बंगाल में टीएमसी के समर्थन में कैंपेन करेगी। अखिलेश ने कहा था कि बीजेपी बंगाल में भ्रम और प्रॉपेगेंडा की राजनीति कर रही है। हम उनकी साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। इससे पहले आरजेडी के चीफ तेजस्वी यादव ने कहा था कि हमारा कर्तव्य है कि हम बीजेपी के खिलाफ लड़ाई ममता बनर्जी का साथ दें और उन्हें मजबूती प्रदान करें। यही नहीं लंबे समय तक बीजेपी की साथी रही और अब अलग होकर महाराष्ट्र की सरकार चला रही शिवसेना ने भी टीएमसी के समर्थन का ऐलान किया है।

इस एकता से अलग है कांग्रेस, तेजस्वी, पवार से कर चुकी है यह अपील

शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने पिछले दिनों ममता बनर्जी को असली शेरनी करार दिया था। इसके अलावा एनसीपी मुखिया शरद पवार ने भी ममता बनर्जी का समर्थन किया है। हालांकि महागठबंधन के इन प्रयासों से कांग्रेस दूर है और बंगाल की लड़ाई को त्रिकोणीय मुकाबले में तब्दील करने के प्रयास कर रही है। यहां तक कि पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रदीप भट्टाचार्य ने तेजस्वी यादव और शरद पवार को चिट्ठी लिखकर ममता को समर्थन देने के फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा था।

नेशनल मीडिया सेंटर के बाहर संदिग्ध वस्तु मिलने से हड़कंप

डॉग स्क्वॉयड के साथ मौके पर पहुंची दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित नेशनल मीडिया सेंटर में संदिग्ध वस्तु मिलने से हड़कंप मच गया। फिलहाल मौके पर सुरक्षा बल पहुंच चुका है। समाचार एजेंसी एएनआई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, मौके पर डॉग स्क्वॉयड की टीम और बम निरोधक दस्ते पहुंच गए हैं और संदिग्ध वस्तु को बम स्क्वायड ने अपने कब्जे में ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक शुरुआती जांच में विस्फोटक जैसी कोई वस्तु होने की संभावना नहीं है, लेकिन फिर भी सावधानी के तौर पर संदिग्द वस्तु को कब्जे में लेकर उसकी जांच की जा रही है और पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि किसने और किस उद्देश्य से उस संदिग्ध वस्तु को नेशनल मीडिया सेंटर के पास फेंका गया था। आपको बता दें कि नेशनल मीडिया सेंटर के पास जिस जगह यह संदिग्ध वस्तु मिली है वह बहुत संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, उस जगह से संसद भवन मात्रा 1 किलोमीटर दूरी पर है, इसके अलावा रेल भवन, उद्योग भवन और कृषि भवन उस जगह के बिल्कुल पास में हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने लगवाई कोरोना वैक्सीन की पहली डोज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर घातक होती जा रही है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश भर में कोरोना के कुल 4164 नए मरीज सामने आए और 31 लोगों की जान चली गई। इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगवाई। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार सुबह लखनऊ के सिविल अस्पताल पहुंचे और कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगवाई। वैक्सीन लगवाने के बाद उन्होंने ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को धन्यवाद देता हूं जिनकी वजह से टीका मुफ्त में लगाया जा रहा है। मैं देश के वैज्ञानिकों को भी धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि कोरोना टीका पूरी तरह से सुरक्षित है और अपनी बारी आने पर हम सभी को इसे लेना चाहिए। सीएम योगी ने आगे कहा कि मैं लोगों से अपील करता हूं कि वैक्सीन लेने के बाद भी सभी सावधानियां बरतें। नई कोरोना लहर कोरोना उपयुक्त व्यवहार को देखने में हमारी शालीनता का परिणाम है। आपको बता दें सीएम

● वैक्सीन लगवाने के बाद उन्होंने ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को धन्यवाद देता हूं जिनकी वजह से टीका मुफ्त में लगाया जा रहा है। मैं देश के वैज्ञानिकों को भी धन्यवाद देता हूं।

योगी आदित्यनाथ से पहले मुख्तार अब्बास नक़वी, शिवपाल यादव, बसपा सुप्रीमों मायावती और यूपी के कानून मंत्री मंत्री ब्रजेश पाठक समेत प्रदेश के कई नेताओं और अफसरों ने कोरोना वैक्सीन लगवा ली है।

राजगीर ग्लास स्काईवाक के लिए उमड़े पर्यटक, भीड़ के चलते अब एक दिन में 800 लोग ही जा सकेंगे

पटना। बिहार के नालंदा के राजगीर में हाल ही में बना ग्लास स्काईवाक इन दिनों राज्यवासियों के लिए हॉट केक बना हुआ है। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग इसे लेकर उत्साहित भी है मगर भीड़ का बढ़ता दबाव अधिकारियों को चिंतित कर रहा है। एक दिन में इस ग्लास स्काईवाक की जितने लोगों की क्षमता है, उससे तीन-चार गुना अधिक लोग इसे देखने के लिए जुट रहे हैं। इसे देखते हुए अब फैसला किया गया है कि एक दिन में सिर्फ 800 लोग ही ग्लास स्काईवाक पर जाने का लुत्फ उठा सकेंगे।

बीते दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नेचर सफारी और ग्लास स्काईवाक का उद्घाटन किया था। यह शानदार ग्लास स्काईवाक इन दिनों राज्य के लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस ब्रिज को देखने के लिए नेचर सफारी में भारी भीड़ उमड़ रही है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो हर दिन तकरीबन ढाई से तीन हजार लोग इसे देखने पहुंच रहे हैं। हालांकि, उसकी क्षमता एकबार में लगभग 15 से 17 लोगों

का वजन लेने की है। मगर, ऐहतियात के तौर पर वहां एक बार में 10 लोगों को ही जाने दिया जाता है। राजगीर के इस ग्लास स्काईवाक पर जो लोग जाते हैं वो वहां 10-15 मिनट रुकते हैं। फोटो खिंचाते हैं। इस लिहाज से सुबह से शाम तक करीब 800 लोग ही जा सकते हैं। इसे देखते हुए अब वहां व्यवस्था बदलने का फैसला किया गया है। सोन भंडार के पास ही भीड़ को रोका जा रहा है। वहां से बस द्वारा लोगों को ग्लास स्काईवाक ब्रिज तक पहुंचाया जा रहा है। अब पहले आने वाले 800 लोगों को ही ग्लास स्काईवाक देखने का मौका मिलेगा।

25 प्रतिशत टिकट होंगे ऑनलाइन

ग्लास स्काईवाक बेहद शानदार है। इसे देखने दूर-दूर से लोग पहुंच रहे हैं। ऐसे में लोगों की सुविधा के लिए 25 प्रतिशत टिकट ऑनलाइन किए जाने की तैयारी है। यानि हर दिन यहां आने वाले 800 लोगों में से करीब 200 लोग ऑनलाइन टिकट लेकर पहुंचेंगे।

इस संबंध में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव दीपक कुमार सिंह ने बताया कि ग्लास स्काईवाक लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है मगर उसकी भी अपनी क्षमता है। पहले आने वाले 800 लोग हर दिन इसे देख सकेंगे। बाकी लोगों के देखने के लिए भी वहां बहुत कुछ है।

कोविड-19 से हुई मौत तो रिश्तेदारों ने की अस्पताल को आग लगाने की कोशिश, मामला दर्ज

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नागपुर के एक अस्पताल में कोविड -19 से एक महिला की मौत हो गई। जिसके बाद महिला के रिश्तेदारों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की और उसे आग लगाने की कोशिश की। बता दें कि यह घटना रविवार को हुई थी। मरीज के रिश्तेदार अस्पताल प्रशासन ने नाराज थे। वे अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। डीसीपी लोहित मातानी ने इस मामले पर बात करते हुए कहा, 'होप अस्पताल में एक 29 साल की महिला की कोरोना से मौत हो गई। जिसके बाद महिला के पति और उसके दोस्तों ने पहले डॉक्टर के साथ बहस की और बाद में रिश्तेदारों की मदद से अस्पताल के स्वागत क्षेत्र में

बर्बरता की।' मातानी ने कहा, 'उनमें से एक पेट्रोल लेकर आया और रिसेप्शन टेबल को आग लगा दी। इसके तुरंत बाद, अस्पताल के अधिकारियों ने आग को बुझा दिया। यह घटना सीसीटीवी पर कैद है। 11 आरोपियों में से 10 के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।' बता दें कि मृतक के परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि मृत्यु के बाद अस्पताल शरीर को नहीं सौंप रहा था और लगभग 1.5 लाख रुपये के भुगतान की मांग कर रहा था।

देश में कोरोना ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, पहली बार 24 घंटे में आए 1 लाख के पार केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना के कहर ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक रविवार रात तक 24 घंटों के दौरान मिले कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 1,03,764 पर पहुंच गई। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक यह एक दिन में मिले कुल संक्रमितों की सर्वाधिक संख्या है। इससे पहले 16 सितंबर, 2020 को एक दिन में 97,894 नए मामले मिले थे, जो महामारी की पहली लहर का सर्वोच्च आंकड़ा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दौरान 24 घंटों में देश में 513 कोरोना मरीजों की मौत हुई। इसके साथ ही भारत अब अमेरिका के बाद ऐसा दूसरा देश बन गया है जहां एक दिन में कोरोना के एक लाख से ज्यादा मामले आए हों। भारत में लगातार दूसरे दिन दुनिया के सर्वाधिक नए कोरोना मामले मिले हैं। अमेरिका एक दिन में 66,154 नए केस के साथ दूसरे और ब्राजील 41,218 नए मामलों के साथ तीसरे नंबर पर है।

कोरोना संक्रमण दोगुना होने की रफ्तार तेज हुई-देश में कोरोना संक्रमण की तेज रफ्तार बनी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोरोना संक्रमण के दोगुना होने का समय अब घटकर 104 दिन रह गया है, जबकि एक मार्च को यह अवधि 504 दिन आंकी गई थी। इसके साथ ही कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश के भी जुड़ने से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों की श्रेणी में कुल 12 राज्य हो गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि पिछले चौबीस घंटों के दौरान करीब 81 फीसदी आठ राज्यों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात से हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 57,074 नए संक्रमण आए हैं। जबकि 5818 की संख्या के साथ छत्तीसगढ़ दूसरे और 4373 नए संक्रमणों के साथ कर्नाटक तीसरे नंबर पर है। दैनिक संक्रमणों की यह संख्या पिछले साल एक दिन की सर्वोच्च संक्रमण संख्या (पीक) 97 हजार के बेहद करीब है तथा एक-दो दिनों में उसे पार कर सकती है।

उत्तर प्रदेश में संक्रमण बढ़ा-अभी तक 11 राज्य ही केंद्र के लिए चिंता का विषय बने हुए थे। लेकिन इधर उत्तर प्रदेश में तेजी से संक्रमण बढ़े हैं। रोजाना नए संक्रमण के मामले में वह छठे नंबर पर है। उत्तर प्रदेश में रविवार को 3187 नए मामले आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि 12 राज्यों में नए संक्रमणों में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इनमें महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पंजाब, कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, केरल शामिल हैं।

नक्सलियों ने 'शेप एंबुश' में जवानों को ऐसे फंसाया फिर तीन तरफ से बोला हमला

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में शनिवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 24 जवान शहीद हो गए। शहीदों में छ्त्रन्न के 8, स्न्नस्न के 6, कोबरा बटालियन के 9 और बस्तर बटालियन का एक जवान शामिल हैं। लेकिन ये जानने वाली बात है कि नक्सलियों के लिए ये हमला इतना आसान कैसे था। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह नक्सलियों ने जाल बिछाकर सुरक्षाबलों पर हमला किया।

'यू-टाइप' हमले में फंसाया फोर्स को

नक्सलियों ने एक चाल चलते हुए बीजापुर जिले में अपने एक टॉप कमांडर की संभावित उपस्थिति के खबर के साथ जाल बिछाकर सुरक्षाबलों पर ÷यू-टाइप÷ हमले को अंजाम दिया। दरअसल, सिलगेर के जंगल में जोनागुड़ा के पास सीआरपीएफ की कोबरा, बस्तरिया बटालियन, डीआरजी और एसटीएफ के करीब 2000 जवान पिछले दो दिनों से अलग-अलग ऑपरेशन पर निकले हुए थे। शनिवार सुबह जब फोर्स को सूचना मिली कि जोनागुड़ा के पास नक्सलियों का जमावड़ा है तो वे सतर्क हो गए। इसके

अलावा पहले भी यहां सैटेलाइट तस्वीरों में कुछ हलचल दिखाई दे रही थी। ऐसे में ये सूचना फोर्स के पास आई तो जोनागुड़ा की बढ़ने का प्लान किया गया। इसके बाद सभी तरह की फोर्स, जो उस समय आसपास के जंगलों में सर्चिंग कर रही थी, उसे मैसेज दिन जाने लगे कि वो जोनागुड़ा की ओर बढ़ें।

गुरिल्ला वार जोन घात लगाकर बैठे थे नक्सली

विशेषज्ञौं का कहना है कि जोनागुड़ा का एक इलाका गुरिल्ला वॉर जोन के अंतर्गत आता है। इसमें गुरिल्ला वॉर अर्थात छिपकर हमले की रणनीति ही कारगर होती है। यहां कभी भी एक साथ फोर्स नहीं जाती, छोटी-छोटी टुकड़ियों में जाती है। लेकिन चूंकि सभी फोर्स को इनपुट मिल रहे थे कि नक्सली यहां है, ऐसे में एक के बाद एक फोर्स की टुकड़ियां यहां पहुंचती रहीं। वहीं पहले से शेप में घात लगाकर बैठे नक्सली इसी इंतजार में थे। फोर्स जैसे ही इस जोन में बड़ी संख्या में घुसी, वह एंबुश में फंस गई। नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। ये मुठभेड़ करीब 5 घंटे चली। नक्सली ऊपरी इलाकों में थे और फोर्स के एंट्रेंस पर नजर रखे हुए थे, लिहाजा उन्होंने फौज का बड़ा नुकसान पहुंचाया।

शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

शहीद जवानों को आज सुबह 10 बजे जगदलपुर पुलिस लाइन में श्रद्धांजलि दी जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कई मंत्री इसमें शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री सुबह 8:30 बजे जगदलपुर पहुंचें, जिसके बाद वे सुबह 10 बजे पुलिस लाइन में बीजापुर नक्सल हमले के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद शहीदों के शवों को गृह ग्राम के लिए रवाना किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोरोना की खोज

दुनिया को अभी कोरोना के बारे में पूरे जवाब नहीं मिले हैं। पहली पहेली ही अभी हल नहीं हुई है कि आखिर कोरोना कैसे पैदा हुआ? विश्व स्वास्थ्य संगठन की जो टीम चीन दौरे पर गई थी, वह भी पुख्ता जवाब के साथ नहीं लौटी है। उस टीम के पास कुछ आंकड़े भर हैं और इस टीम के सदस्यों को भी लगता है, कोरोना-खोज की यह शुरुआत भर है। कोरोना का जवाब खोजना इसलिए भी जरूरी है, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को ऐसी किसी महामारी से बचाया जा सके। वैज्ञानिकों के लिए यह महान चुनौती है। अव्वल तो लगभग एक साल बाद चीन ने अंतरराष्ट्रीय टीम को वुहान पहुंचने दिया। टीम जब वुहान पहुंची, तब वहां शुरू में ही उसे प्रतिकूल माहौल दिया गया। लगभग चार सप्ताह वैज्ञानिक वहां रहे, लेकिन कुछ भी ऐसा उनके हाथ नहीं लगा, जिससे विज्ञान की दुनिया किसी ठोस नतीजे पर पहुंचती। नैतिकता का तकाजा यही है कि चीन स्वयं जांच करके दुनिया को सच बताता। आज पूरी दुनिया में उस पर सवाल उठ रहे हैं। महामारी से चीनी विश्वसनीयता को जो क्षति पहुंची है, उसकी भरपाई के प्रति चीन कितना गंभीर है? ब्रिटेन के ग्लासगो विश्वविद्यालय से जुड़े वायरोलॉजिस्ट डेविड रॉबर्टसन कहते हैं, चीन से प्राप्त व्यापक आंकड़ों से कुछ ऐसी चीजें पुष्ट हुई हैं, जिनका पहले से ही पता था। अभी भी यह खोज शेष है कि क्या चमगादड़ से यह महामारी सीधे इंसानों में आई? क्या कोई ऐसा जीव था, जिसके जरिए वायरस चमगादड़ों से इंसानों में पहुंचा? यह वायरस लोगों में कैसे आया और फिर लोगों के बीच कैसे फैला? ये तमाम सवाल वैज्ञानिकों को उचित ही मथ रहे हैं। 30 मार्च को एक प्रेस ब्रीफिंग में कोपेनहेगन के नॉर्थलैंड हॉस्पिटल की पब्लिक हेल्थ वायरोलॉजिस्ट (चीन गई डब्ल्यूएचओ टीम की एक सदस्य) थिया फिशर ने कहा, 'यह कोरोना की जड़ खोजने के लिए अपेक्षित लंबी यात्रा का पहला कदम है।' आम लोगों की तरह ही नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट भी यह तलाशने की कोशिश करती है कि आखिर चीन से क्या मिला? डॉक्टरों की टीम चीन में उस जीव तक नहीं पहुंच सकी, जबकि वहां हजारों जीवों के परीक्षण की कोशिश हुई। यह टीम चीन के वन्य-जीव बाजारों की ओर भी इशारा करती है और यह भविष्य में पड़ताल का विषय है। टीम की सिफारिशों में यह शामिल है कि वुहान के पशु और वन्य-जीव बाजार का गहराई से अध्ययन किया जाए। जहां तक चीन का सवाल है, तो वह भी अपने स्तर पर जांच में जुटा दिखता है। उसकी निगाह कोरोना के शुरुआती मामलों के नमूनों पर है। वायरस के शुरुआती नमूनों की पड़ताल जरूरी भी है। चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ एक समझौता किया है, जिसके अनुसार, कोरोना विस्फोट की जांच लंबे समय तक चलेगी। कुछ वैज्ञानिकों को यह आशंका अब कम है कि वायरस किसी प्रयोगशाला से लीक हुआ होगा, लेकिन ज्यादातर वैज्ञानिक मान रहे हैं कि अभी किसी आशंका या संभावना को खारिज नहीं करना चाहिए। कोरोना के प्रति अभी तक कुछ नरम दिखता संयुक्त राष्ट्र कतई न भूले कि दुनिया में 28 लाख से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 13 करोड़ से ज्यादा संक्रमित हुए हैं। अत- कोरोना विस्फोट की जांच पूरी त्वरा और पारदर्शिता के साथ होनी चाहिए, तभी लोगों का मनोबल बढ़ेगा और डब्ल्यूएचओ की प्रासंगिकता भी।

आज के ट्वीट

संकल्पित

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का सामना करते वक्त शहीद हुए बहादुर सुरक्षाकर्मियों को जगदलपुर में श्रद्धांजलि अर्पित की। देश आपके शौर्य और बलिदान को कभी भुला नहीं पाएगा। पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ा है। अशांति के विरुद्ध इस लड़ाई को हम अंतिम रूप देने के लिए संकल्पित हैं। -- अमित शाह

जल रहे हैं देश के जंगल

– प्रमोद भार्गव

गर्मियों के शुरू होने के साथ ही देश के राष्ट्रीय अभ्यारणयों मे दावानल की घटनाएं देखने में आने लगी हैं। चार अभ्यारणयों में सैंकड़ों हेक्टेयर वन जलकर खाक हो गए। कितने वन्य जीव हताहत हुए, यह अभी साफ नहीं है, लेकिन बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में लगी आग से बचने के लिए बाघों ने घर बदलना शुरू कर दिया है। इसी फेर में एक बाघ ने बाघिन को मार दिया। उद्यान प्रबंधन इस मौत को आपसी संघर्ष की वजह बताकर पल्ला झाड़ रहा है। लेकिन यह संघर्ष एक बाघ के दूसरे बाघ के क्षेत्र में अतिक्रमण करने से छिड़ा था। मध्य-प्रदेश के पन्ना और माधव राष्ट्रीय उद्यान में भी आग की घटनाएं सामने आई है। यही हाल उत्तर-प्रदेश के दुधवा और ओड़िसा के सिमलीपाल नेशनल पार्क का हुआ है। आग लगने के बाद देखने में आया कि वन अमले ने आग न लगे ऐसे पूर्व में कोई उपाय किए ही नहीं थे। आग बुझाने के संसाधन भी देखने में नहीं आए। साफ है, ये घटनाएं वन अमले की लापरवाही का नतीजा है। भारतीय वन सर्वेक्षण की एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2020 से जनवरी 2021 तक जंगल में आग की 2984 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 470 उत्तराखंड में दर्ज की गई हैं। यहां फरवरी माह से ही जंगलों में आग सुलग रही है। इस अध्ययन रिपोर्ट से पता चला है कि 95 फीसद आग इंसानी लापरवाही से लगी है। यूं तो जंगल में आग लगना सामान्य घटना है। लेकिन इसबार करीब दो माह से किसी न किसी जंगल में आग सुलग रही है। दुधवा नेशनल पार्क के किशनपुर क्षेत्र में लगी आग से करीब 100 हेक्टेयर से ज्यादा वन संपदा जलकर राख हो गई है। आशंका है कि वन्य जीव भी चपेट में आ गए हैं। इस आग से जंगल की सीमा पर बसे गांव कटैया, कांप व टांडा डरे हुए हैं। पिछले साल जून में भी इसी क्षेत्र में भीषण आग लगी थी। नतीजतन 70 हेक्टेयर के करीब जंगल राख में तब्दील हो गया था। दुधवा के जंगलों का विस्तार ही पन्ना टाइगर रिर्जव तक है। यहां के जंगलों में आग लगे हुए एक पखवाड़ा बीत चुका है। उत्तर वनमंडल क्षेत्र में आने वाले जंगल में लगी आग बुझाने में वन विभाग का अमला विफल रहा है। इसमें करीब 750 वर्ग किमी क्षेत्र आता है, जबकि 1500 वर्ग किमी का क्षेत्र दक्षिण वनमंडल का है। वहीं, 1500 वर्ग किमी का इलाका पन्ना टाइगर रिर्जव के अंतर्गत है। इसी में कोर एवं बफर क्षेत्र हैं। यह आग अब पन्ना शहर से सटे जंगलों में फैलने लगी है। उत्तराखंड का भौगोलिक क्षेत्रफल 53,483 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 64.79 प्रतिशत, यानी 34,651.014 वर्ग किमी वन क्षेत्र हैं। इनमें से 24414408 वर्ग किमी क्षेत्र वन विभाग के अधीन हैं। इसमें से करीब 24260.783 वर्ग किमी क्षेत्र आरक्षित वनों की श्रेणी में हैं। शेष 39.653 वर्ग किमी जंगल वन पंचायतों के नियंत्रण में हैं। आरक्षित वनों में से 394383.84 हेक्टेयर भूमि में चीड़ के जंगल हैं और 383088.12 हेक्टेयर बांस एवं शाल के वन हैं। वहीं 614361 हेक्टेयर में मिश्रित वन हैं। लगभग 22.17 फीसदी वन क्षेत्र खाली पड़ा है। चीड़ के जंगल और लैंटाना की झाड़ियां इस आग को फैलाने में सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। दरअसल चीड़ के पत्तों में एक विशेष किस्म का ज्वनलशील पदार्थ होता है। इसकी पत्तियां पतझड़ के मौसम में आग में घी का काम करती हैं। गर्मियों में पत्तियां जब सूख जाती हैं तो इनकी ज्वलनशीलता और बढ़ जाती है। इसी तरह लैंटाना जैसी विषाक्त झाड़ियां आग को भड़काने का काम करती हैं। करीब 40 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में ये झाड़ियां फैली हुई हैं। इस बार इन पत्तियों का भयावह दावाग्नि में बदलने के कारणों में वर्षा की कमी, जाड़ों का कम पड़ना, गर्मियों का जल्दी आना और तिस पर भी शुरूआत में ही तापमान का बढ़ जाना। इन वजहों से यहां पतझड़ की मात्रा बढ़ी,उसी अनुपात में मिट्टी की नमी घटती चली गई। ये ऐसे प्राकृतिक संकेत थे, जिन्हें वनाधिकारियों को समझने की जरूरत थी। बावजूद विडंबना यह रही कि जब वनखंडों में आग लगने की शुरूआत हुई तो नीचे के वन अमले से लेकर आला अधिकारियों तक ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। वैसे चीड़ और लैंटाना भारतीय मूल के पेड़ नहीं हैं। भारत आए अंग्रेजों ने जब पहाड़ों पर आशियाने बनाए, तब उन्हें बर्फ से आच्छादित पहाड़ियां अच्छी नहीं लगीं। इसलिए वे ब्रिटेन के बर्फीले क्षेत्र में उगने वाले पेड़ चीड़ की प्रजाति के पौधों को भारत ले आए और बर्फीली पहाड़ियों के बीच खाली पड़ी भूमि में रोप दिए। इन पेड़ों को जंगली जीव व मवेशी नहीं खाते हैं, इसलिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण पाकर ये तेजी से फलने-फूलने लगे। इसी तरह लैंटाना भारत के दलदली और बंजर भूमि में पौधारोपण के लिए लाया गया था। यह विषैला पेड़ भारत के किसी काम तो नहीं आया, लेकिन देश की लाखों हेक्टेयर भूमि में फैलकर, लाखों हेक्टेयर उपजाऊ भूमि जरूर लील ली। ये दोनों प्रजातियां ऐसी हैं, जो अपनी छाया में किसी अन्य पेड़-पौधे को पनपने नहीं देती हैं। चीड़ की एक खासियत यह भी है कि जब इसमें आग लगती है तो इसकी पत्तियां ही नष्ट होती हैं। तना और डालियों को ज्यादा नुकसान नहीं होता है। पानी बरसने पर ये फिर से हरे हो जाते हैं। कमोबेश यही स्थिति लैंटाना की रहती है। चीड़ और लैंटाना को उत्तराखंड से निर्मूल करने की दृष्टि से कई मर्तबा सामाजिक संगठन आंदोलन कर चुके हैं, लेकिन सार्थक नतीजे नहीं निकले। अलबत्ता इनके पत्तों से लगी आग से बचने के लिए चमोली जिले के उपरेवल गांव के लोगों ने जरूर चीड़ के पेड़ की जगह हिमालयी मूल के पेड़ लगाने शुरू कर दिए। जब ये पेड़ बड़े हो गए तो इस गांव में 20 साल से आग नहीं लगी। इसके बाद करीब एक सैंकड़ा से भी अधिक ग्रामवासियों ने इसी देशज तरीके को अपना लिया। इन पेड़ों में पीपल, देवदार, अखरोट और काफल के वृक्ष लगाए गए हैं। यदि वन-अमला ग्रामीणों के साथ मिलकर ऐसे उपाय करता तो आज उत्तराखंड के जंगलों की यह दुर्दशा देखने में नहीं आती। जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। जब पहाड़ियां तपिश के चलते शुष्क हो जाती हैं और चट्टानें भी खिसकने लगती हैं, तो अक्सर घर्षण से आग लग जाती है। तेज हवाएं चलने पर जब बांस परस्पर टकराते हैं तो इस टकराव से पैदा होने वाले घर्षण से भी आग लग जाती है। बिजली गिरना भी आग लगने के कारणों में शामिल है। ये कारण प्राकृतिक हैं, इन पर विराम लगाना नामुमकिन है। किंतु मानव-जनित जिन कारणों से आग लगती है, वे खतरनाक हैं। इसमें वन-संपदा के दोहन से अटाटूट मुनाफा कमाने की होड़ शामिल है। भू-माफिया, लकड़ी माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों के गठजोड़ की तिकड़ी इस करोबार को फलने-फूलने में सहायक बनी हुई है। राज्य सरकारों ने आजकल विकास का पैमाना भी आर्थिक उपलब्धि को माना हुआ है, इसलिए सरकारें पर्यावरणीय क्षति को नजरअंदाज करती हैं। आग लगने की मानवजन्य अन्य वजहों में बीड़ी-सिगरेट भी हैं, तो कभी शरारती तत्व भी आग लगा देते हैं। कभी ग्रामीण पालतू पशुओं के चारे के लिए सूखी व कड़ी पड़ चुकी घास में आग लगाते हैं। ऐसा करने से धरती में जहां-जहां नमी होती है, वहां-वहां घास की नूतन कोंपलें फूटने लगती हैं। जो मवेशियों के लिए पौष्टिक आहार का काम करती हैं। पर्यटन वाहनों के साइलेंसरों से निकली चिंगारी भी आग की वजह बनती है। आग से बचने के कारगर उपायों में पतझड़ के दिनों में टूटकर गिर जाने वाले जो पत्ते और टहनियां आग के कारक बनते हैं, उन्हें जैविक खाद में बदलने के उपाय किए जाएं। केंद्रीय हिमालय में 2.1 से लेकर 3.8 टन प्रति हेक्टेयर पतझड़ होता है। इसमें 82 प्रतिशत सूखी पत्तियां और बांकी टहनियां होती हैं। जंगलों पर वन विभाग का अधिकार प्राप्त होने से पहले तक ज्ञान परंपरा के अनुसार ग्रामीण इस पतझड़ से जैविक खाद बना लिया करते थे। यह पतझड़ मवेशियों के बिछौने के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। मवेशियों के मल-मूत्र से यह पतझड़ उत्तम किस्म की खाद में बदल जाता था। किंतु अव्यावहारिक वन कानूनों के वजूद में आने से वनोपज पर स्थानीय लोगों का अधिकार खत्म हो गया। स्थानीय ग्रामीण और मवेशियों का जंगल में प्रवेश वर्जित हो जाने से पतझड़ यथास्थिति में पड़ा रहकर आग का प्रमुख कारण बन रहा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

परिवार से लगाव

सद्गुरु

मैंने कभी यह नहीं कहा कि आप अपने संबंधों के धागे काट दीजिए। यह बेहद अफसोस की बात है कि फिलहाल आपके संबंधों के धागे बहुत कम लोगों से जुड़े हैं। इनका विस्तार कीजिए। इन धागों को आप कुछ लोगों से जोड़ने के बजाय धरती पर मौजूद हर प्राणी से जोड़ने की कोशिश कीजिए। आखिर आप अपने धागे को काटना क्यों चाहते हैं? धागों को काटने की तो कोई वजह ही नहीं है। देखिए 'जुड़ने' और 'उलझने' में फर्क है। जीवन को जानने का सिर्फ एक ही तरीका है- जीवन से जुड़ना। यह बात केवल आध्यात्मिकता से जुड़ी नहीं है। अगर आप जुड़ाव नहीं रखेंगे, तो क्या जीवन में कभी किसी भी चीज के बारे में जान पाएंगे? आज कल लोगों में जुड़ाव की कमी दिखती है। जब आप जुड़ने में भेदभाव करते हैं, तो यह उलझन बन जाता है। आप बिना किसी भेदभाव के जुड़ें। आप जिस धरती पर चलते हैं, आप जो भोजन करते हैं, आप जो पानी पीते हैं, आप जिस हवा में सांस लेते हैं और उस स्थान में जहां आप रहते हैं, कोशिश कीजिए कि आप इन सारी चीजों से पूरी तरह जुड़ सकें। हालांकि इन चीजों से तो आप अभी भी जुड़े हुए हैं, लेकिन फिलहाल आपका यह जुड़ाव अचेतन है। अगर आप उस हवा से जुड़ाव नहीं रखेंगे, जिसमें आप सांस लेते हैं तो आप मर जाएंगे। आपको बस जुड़ाव को लेकर सचेतन होना है। अगर आप किसी चीज से अचेतन रूप से जुड़ते हैं तो यह एक बड़ा बोझ लगता है, लेकिन अगर आप सचेतन रूप से किसी चीज से जुड़े हुए हैं, तो यही अनुभव एक आनंदमय अनुभव बन जाता है। आज हमारे पास वैज्ञानिक प्रमाण है कि आपके शरीर के परमाणु का हर कण इस पूरे ब्रह्मांड के साथ संपर्क बनाए हुए है। इसे नजरअंदाज करके आप उस विशाल शक्ति को अनदेखा करने की कोशिश कर रहे हैं, जो आपके जीवन और इस सृष्टि का आधार है। अपने परिवार से जुड़ना, आपकी पीड़ा का कारण नहीं है, बल्कि पीड़ा का कारण जीवन को अनदेखा करना है। जीवन का अनुभव केवल जीवन से जुड़कर ही किया सकता है। जितनी मजबूती से आप जीवन से जुड़ेंगे, जीवन को लेकर होने वाले अनुभव भी उतने ही प्रबल होंगे। अपने जुड़ाव को लेकर आपके भीतर डर इसलिए आया, क्योंकि पिछली बार आपका जुड़ाव जहां हुआ था, वहां से आपको चोट मिली।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

सावधानी घटी, महामारी बढ़ी

– डॉ. प्रभात ओझा

कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण में तेजी आयी है। लोग पहले के मुकाबले वैक्सीनेशन के प्रति सचेत हुए हैं। रविवार, 04 अप्रैल के आंकड़े के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटे में 11 लाख से अधिक टेस्ट किए गए। इस दौरान 11 लाख, 66 हजार, 716 टेस्ट हुए। इसके साथ देश में कुल 24 करोड़, 81 लाख, 25 हजार, 908 टेस्ट किए जा चुके हैं। अब तो 45 साल और उसके पार वाला हर व्यक्ति वैक्सीन लगवा सकता है। फिर भी कुछ तो है कि देश में कोरोना फिर से लौट आया है। दिल्ली की राज्य सरकार अपने यहां इसे चौथी लहर बता रही है। पूरे देश के लिए यह दूसरी लहर जरूर है। इस बात की पुष्टि कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख डॉक्टर वीके पॉल के एक बयान से हो जाती है। वे कहते हैं कि कुछ राज्यों में चिंता विशेष रूप से अधिक है, लेकिन कोई भी राज्य आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकता। जब हम सोच रहे थे कि हमने बचाव के तरीके निकाल लिए हैं, तब यह वायरस वापस आ गया। आखिर कारण क्या हैं कि लाख उपाय के बावजूद हम इस महामारी के घेरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। निश्चित ही आमजन की लापरवाही इस संक्रमण के बढ़ने का बड़ा कारण है। दिल्ली में मास्क नहीं लगाने पर जुर्माने का डर अवश्य दिख रहा है। फिर भी सार्वजनिक वाहनों में भीड़ मास्क पहने लोगों को कितना सुरक्षित कर पा रही है, यह सवाल बना हुआ है। देश की राजधानी में दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सेंट स्टीफंस कॉलेज में एक साथ 13 छात्र और दो स्टाफ सदस्य के संक्रमित पाए जाने पर कैंपस में ताले जड़ दिए गए हैं। देश में सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र की लोकल ट्रेनों से रेस्तरां और बार तक की भीड़ के कहने ही क्या। कमोबेश यही हाल पंजाब और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के हैं। इनके अतिरिक्त चुनाव वाले प्रदेशों में भी लोगों की लापरवाही साफ देखी जा सकती है। हाल यह है कि 04 अप्रैल को देश में बीते 24 घंटे में कोरोना मरीजों की संख्या 93 हजार, 249 हो गई। इसके साथ मरीजों की संख्या 1 करोड़, 24 लाख, 85 हजार, 509 हो गई। इस एक दिन में ही 513 लोगों की मौत भी हुई। इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1 लाख, 64 हजार, 623 तक पहुंच गई है। मरीजों की यह कुल संख्या कोरोना की पहली लहर से करीब 05 हजार ही कम है। इसके पहले 16 सितंबर को 97 हजार, 860 मरीज मिले थे। हालत यह है कि हम ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद कोरोना मामलों में तीसरा सबसे बड़ा देश बन गए हैं। मरीजों के बढ़ने का यही सिलसिला रहा तो भारत सात दिनों में ही सबसे ऊपर होगा। इसमें कोई शक नहीं कि यह हालत पिछली लहर से ज्यादा खराब दिख रही है। पिछले वर्ष अगस्त और सितंबर में भारत कोरोना के मामलों में सबसे ऊपर था। इसबार यह जरूर है कि अभीतक इस महामारी से होने वाली मौत 1.34 प्रतिशत है। पहली लहर के समय यह 1.63 फीसद थी। फिर भी चिंता की बात है कि एक महीने पहले तक संक्रमण से मरने वालों की संख्या 100 से बढ़कर 31 मार्च तक के सप्ताह में 319 तक पहुंच गई थी। कल्पना कर दिल सिहर उठता है कि यह औसत कायम रहा तो क्या होगा।

अपने देश के कुछ प्रदेशों, खासकर महानगरों में अतिशय भीड़ में असावधानी को भी गौर करना होगा। दुनिया भर में कुल मरीजों के 11 प्रतिशत भारत में हैं, तो 30 मार्च को साप्ताहांत में भारत के मरीजों का 58 प्रतिशत अकेले महाराष्ट्र में ही थे। देश में मरीजों के करीब 80 फीसद मामले छह राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्य प्रदेश में देखे गए। निश्चित ही महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब और गुजरात के कई महानगर भीड़भाड़ वाले हैं। मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, सूरत, बंगलौर, चंडीगढ़, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहर देश की औद्योगिक प्रगति के रीढ़ माने जाते हैं। इनको फिर से पूरी तरह बंद करना अर्थव्यवस्था को भारी चोट पहुंचाने जैसा है। देखना है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की चेतावनी क्या रूप लेती है। फिर भी इसपर तो विचार किया ही जा सकता है कि कैसे पालियों में काम करने के इंतजाम कर भीड़ को कुछ नियंत्रित किया जाय।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी सरकार अदालत के फैसले के बाद केयर्न को वसूली नोटिस भेजेगी

नई दिल्ली:

पेट्रोलियम मंत्रालय दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के बाद वेदांता की केयर्न ऑयल एंड गैस से करोड़ों डॉलर की मांग करेगा। कंपनी को इसका भुगतान राजस्थान तेल और गैस ब्लॉक लाइसेंस को प्रारंभिक अवधि से आगे बढ़ाने पर अधिक लाभ हिस्सेदारी के रूप में सरकार को करना था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अंतरिम रूप से कंपनी का बाड़मेर बेसिन ब्लॉक लाइसेंस, जिसका 25 वर्षों का प्रारंभिक कार्यकाल 15 मई, 2020 को खत्म हो गया था, को आठवीं बार बढ़ाया गया था। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि अब जबकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने सरकार की नीति को बरकरार रखा है, तो हम 15 मई, 2020 से अधिक लाभ हिस्सेदारी के लिए वसूली की नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा, ''सटीक राशि की गणना की जा रही है लेकिन यह लाखों डॉलर में होगी। कंपनी के प्रवक्ता ने संपर्क करने पर कहा, ''हम अदालत के आदेश की समीक्षा कर रहे हैं। उसके बाद किसी अगली कार्रवाई का आकलन किया जाएगा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले महीने के अंत में कहा था कि केंद्र सरकार राजस्थान में बाड़मेर ऑयल ब्लॉक से तेल निकालने के लिए वेदांता के साथ उत्पादन साझेदारी समझौते (पीएससी) को 10 साल बढ़ाने के लिए मुनाफे में 10 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सा मांग सकती है।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कहा था कि समझौते को आगे बढ़ाने के सरकार के अधिकार पर तब तक कोई शर्त नहीं लगाई जा सकती है, जब तक कि वे सार्वजनिक हित में हैं और अधिकतम राजस्व हासिल करने के उद्देश्य को ध्यान में रखकर लिए गए हैं।

पीठ ने कहा कि मुनाफे में 10 प्रतिशत अधिक हिस्सेदारी की मांग सरकार ने अनुबंध की प्रारंभिक तिथि से 25 साल बाद की है और ''किसी भी तरह से इसे अनुचित या मनमाना नहीं कहा जा सकता।

मार्च, 2021 के अंत तक यस बैंक का ऋण और अग्रिम 0.8प्रतिशत बढ़कर 1.73 लाख करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली: यस बैंक का ऋण और अग्रिम मार्च, 2021 के अंत तक सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत बढ़कर 1,72,850 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक ने सोमवार को यह जानकारी दी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि ये आंकड़े अस्थायी हैं। बैंक ने 31 मार्च को समाप्त तिमाही के लिए वित्तीय नतीजों की घोषणा से पहले ये आंकड़े जारी किए हैं। एक साल पहले समान अवधि में बैंक का ऋण और अग्रिम 1,71,443 करोड़ रुपए था। मार्च तिमाही में बैंक का सकल खुदरा ऋण वितरण 154.3 प्रतिशत बढ़कर 7,828 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 3,078 करोड़ रुपए रहा था। बैंक की जमा 31 मार्च, 2021 के अंत तक 54.7 प्रतिशत बढ़कर 1,62,947 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। मार्च, 2020 के अंत तक यह आंकड़ा 1,05,364 करोड़ रुपए था।

एसबीआई कार्ड से हुए ट्रांजैक्शन में ऑनलाइन पेमेंट की हिस्सेदारी है 50फीसदी से ज्यादा

बिजनेस डेस्क: एसबीआई कार्ड के जरिए होने वाले ट्रांजैक्शन में ऑनलाइन पेमेंट का हिस्सा 50 फीसदी से ज्यादा है। इनमें किराना सामान, बिजली आदि के बिलों का पेमेंट, इंश्योरेंस प्रीमियम आदि का पेमेंट शामिल हैं। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ऑनलाइन पेमेंट का यह रुख और बढ़ने की उम्मीद है। एसबीआई कार्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रामा मोहन राव अमारा ने देश में हाल में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों पर कहा कि अभी यह बता पाना मुश्किल है कि इसका असर लोगों के खरीद व्यवहार पर पड़ेगा या नहीं। अमारा ने कहा कि ऑनलाइन पेमेंट ऐसा माध्यम है जो अभी और ऊपर की ओर जाएगा। अमारा ने कहा, एसबीआई कार्ड में अब 53 फीसदी से अधिक खर्च ऑनलाइन पेमेंट के जरिए होता है। पहले यह 44 फीसदी था। मुख्य रूप से किराना सामान, परिधान, यूटिलिटी बिलों का पेमेंट, इंश्योरेंस प्रीमियम और ऑनलाइन शिक्षा जैसी श्रेणियों की वजह से ऑनलाइन पेमेंट में करीब नौ फीसदी का इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा, इन श्रेणियों में कंपनी ने ऑनलाइन खर्च में अचानक बढ़ोतरी देखी है। हमारा मानना है कि यह ऑनलाइन बना रहेगा। लोग अब इस आरामदायक स्थिति को पसंद कर रहे हैं। कोविड हो या नहीं हो, इससे अब कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

पराग मिल्क फूड्स जुटाएगी 316 करोड़

नई दिल्ली। पराग मिल्क फूड्स ने 316 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई है। उसने कहा कि वह यह रकम आईएफसी और सिक्थ सेंस वेंचर एडवाइजर्स तथा प्रवर्तकों से इक्विटी शेयरों के तरजीही आवंटन तथा विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड (एफसीसीबी) के जरिये जुटाएगी। आईएफसी और सिक्थ सेंस वेंचर एडवाइजर्स कंपनी में क्रमश- 155 करोड़ रुपए और 50 करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में पराग मिल्क फूड्स ने कहा कि प्रवर्तकों की हिस्सेदारी को 46 प्रतिशत के स्तर पर बनाए रखने के लिए प्रवर्तक और परिवार द्वारा कंपनी में 111 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि यह राशि जुटाने के लिए शेयरधारकों के अलावा अन्य नियामकीय मंजूरियां ली जाएंगी। शेयरधारकों की असाधारण आमसभा 26 अप्रैल को होनी है।

एलजी अब बंद कर सकती है स्मार्टफोन कारोबार

मुंबई । जानी मानी साउथ कोरिया की कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अब स्मार्टफोन कारोबार बंद करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने कहा है कि वो घाटे में चल रहे मोबाइल कारोबार को बंद कर देगी। यह एक ऐसा कदम होगा जो स्मार्ट फोन के बाजार से पहली कंपनी होगी इस कारोबार से अलग हो रही है। स्मार्टफोन कारोबार से कंपनी के निकलने के इस निर्णय से उत्तरी अमेरिका में कंपनी की 10 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के लिए एप्पल और सैमसंग में होड़ लगेगी। गौरतलब है कि एलजी उत्तर अमेरिका का तीसरा बड़ा ब्रांड है। कंपनी को इस डिवीजन में 6 साल में 4.5 अरब डॉलर नुकसान झेलना पड़ा है। इससे प्रतिस्पर्धा वाले सेक्टर से बाहर निकलने से कंपनी अपनी दूसरी ग्रोथ एरिया जैसे इलेक्ट्रिकल व्हीकल कंपोनेंट, कनेक्टेड डिवाइस और स्मार्ट होम्स पर फोकस कर सकेगी। एलजी साल 2013 में एप्पल और सैमसंग के बाद दुनिया की तीसरी सबसे सबसे बड़ी स्मार्ट फोन बनाने वली कंपनी थी, लेकिन धीरे-धीरे सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों मोर्चों पर एलजी कंपनी पिछड़ती चली गई। इसके अलावा कंपनी अपने चीनी प्रतिस्पर्धा के मुकाबले मार्केटिंग के मोर्चे पर भी पिछड गई। मौजूदा समय में कंपनी की दुनिया भर में हिस्सेदारी दो फीसदी रह गई है।

गौतम अडानी की इस कंपनी का शेयर 5 दिन में 36फीसदी चढ़ा

बिजनेस डेस्क: उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनी अडानी टोटल गैस का शेयर आज बीएसई पर कारोबार के दौरान 13 फीसदी की छलांग के साथ 1,196 रुपए पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप अडानी एंटरप्राइजेज से अधिक हो गया। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक दोपहर बाद करीब डेढ़ बजे कंपनी का मार्केट कैप 1.31 लाख करोड़ रुपए था जबकि अडानी एंटरप्राइजेज का मार्केट कैप 1.24 लाख करोड़ रुपए था। अडानी एंटरप्राइजेज का स्टॉक दो फीसदी की तेजी के साथ 1,131 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। 1.3 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप के साथ अडानी टोटल गैस मार्केट कैप रैंकिंग में 27वें स्थान पर है।

दूसरी कंपनियों के शेयर

अडानी ग्रुप की कंपनियों में अडानी ग्रीन एनर्जी का शेयर 1.16 फीसदी की तेजी के साथ 1173 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 1.83 लाख करोड़ रुपए पहुंज गया। अडानी पोर्ट्स का शेयर 0.77 फीसदी की तेजी के साथ 741.90 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। कंपनी का मार्केट कैप 1.5 लाख करोड़ रुपए है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने मौद्रिक नीति पर चर्चा शुरू की

मुंबई:

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास की अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सोमवार को अगली मौद्रिक समीक्षा पर चर्चा शुरू कर दी। कोविड-19 संक्रमण के मामलों में अचानक आई तेजी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक का परिणाम सात अप्रैल को सामने आएगा। सरकार ने केंद्रीय बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया है। इन घटनाक्रमों के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि रिजर्व बैंक चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रख सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि एमपीसी द्वारा अपने नरम नीतिगत रुख को जारी रखे जाने की उम्मीद है। इस समय रेपो दर चार प्रतिशत तथा रिवर्स रेपो दर 3.35 प्रतिशत पर है। सरकार ने पिछले महीने ही रिजर्व बैंक को अगले और पांच साल के लिए, यानी मार्च, 2026 तक खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत की घटबढ के दायरे के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य

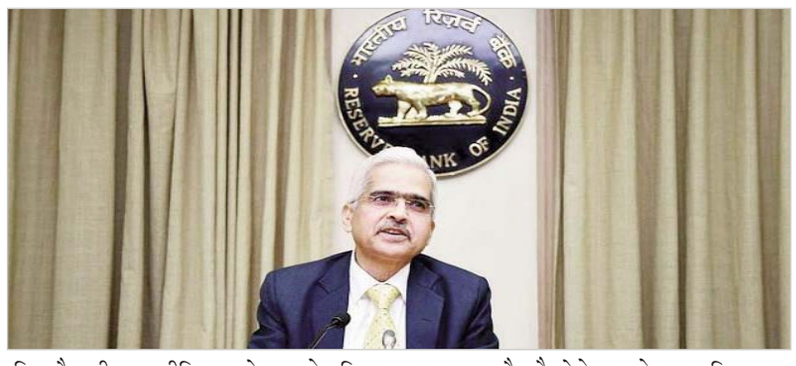

दिया है यानी मुद्रास्फीति कम से कम दो प्रतिशत और अधिकतम छह प्रतिशत तक जा सकती है लेकिन सामान्य तौर पर इसे चार प्रतिशत के आसपास रखने को कहा गया है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स (बीडब्ल्यूआर) के मुख्य आर्थिक सलाहकार एम गोविंदा राव ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने तथा इसके प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए ताजा अंकुशों के मद्देनजर रिजर्व बैंक मौद्रिक समीक्षा में नरम मौद्रिक रुख को जारी रख सकता है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर को देखते हुए एमपीसी द्वारा सतर्क रुख अपनाया जा सकता है और रेपो दर को चार प्रतिशत पर यथावत रखा जा सकता है। इस बीच, कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जी मुरलीधर ने कहा कि 2021 में टीकाकरण को लेकर उम्मीदों के बीच वैश्विक स्तर पर बांड प्रतिफल बढ़ा है। हालांकि, कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच भारत के लिए स्थिति इस समय अलग है। एमपीसी मुद्रास्फीति के रुख तथा महामारी की दूसरी लहर के बीच बांड पर प्रतिफल के रुख के व्यवस्थित होने पर जोर देगी।

कोरोना के बढ़ते मामलों से शेयर बाजार में हाहाकार, निवेशकों के डूबे 4 लाख करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्क:

कोरोना के कहर से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। कमजोर शुरुआत के बाद बाजार में गिरावट बढ़ी और कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1400 अंकों तक टूट गया। वहीं, निफ्टी 14500 के नीचे फिसल गया। कोरोना के बढ़ते मामलों ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में चौतरफा बिकवाली से निवेशकों को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। 1 अप्रैल को बीएसई लिस्टेड कुल कंपनियों का मार्केट कैप 2,07,26,401.79 करोड़ रुपए था, जो आज 3,94,529.64 करोड़ रुपए घटकर 2,03,31,872.15 करोड़ रुपए हो गया। इस तरह, शुरुआती कारोबार में ही निवेशकों के करीब 4 लाख करोड़ रुपए डूब गए। सेंसेक्स 870.51 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 229.55 अंक की बड़ी गिरावट लेकर बंद हुआ। सेंसेक्स जहां बड़ी गिरावट से कुछ उबरते हुए 49,159.32 अंक पर बंद हुआ वही निफ्टी 14,637.80 अंक पर रहा। दिन की शुरुआत में ही सेंसेक्स 9 अंकों की मामूली गिरावट लेकर 50,020.91 अंक पर खुला लेकिन देखते ही देखते यह करीब 1500 अंकों की गिरावट लेकर 48,638.62 अंक पर आ गया तथा निफ्टी भी 30 अंकों की गिरावट लेकर 14,837.70 अंक पर खुला। इस दौरान दिग्गज, मझोली तथा छोटी कंपनियों में हुई भारी बिकवाली से बीएसई का मिडकैप 232.54 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की गिरावट लेकर 20,283.86 अंक पर रहा तथा स्मॉलकैप भी इस दौरान 226.70 अंक यानी 1.08 प्रतिशत लुढ़कर 20,844.99 अंक पर बंद हुआ। कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के कारण पाबंदियां की आशंका से बैंकिंग समूह की कंपनियों में सबसे अधिक 1,326.49 अंकों अर्थात 3.47 प्रतिशत, कंस्यूमर ड्यूरेबल्स में 711.55 अंक यानी 2.17 प्रतिशत और ऑटो क्षेत्र की कंपनियों में 593.30 अंक यानी 2.63 प्रतिशत की जोरदार गिरावट हुई।

बाजार में साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट

भारतीय शेयर बाजार में इस साल की ये दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले 26 फरवरी 2021 को निफ्टी इंट्रा डे में 568 अंक तक लुढ़क गया था, जबकि क्लोजिंग 452 अंकों की गिरावट का साथ हुई थी। निफ्टी उस दिन 14500 के लेवल पर बंद हुआ था। सेंसेक्स भी 26 फरवरी को 51,000 का अहम लेवल तोड़कर 50,000 के नीचे 49100 पर बंद हुआ था।

वीजा और मास्टरकार्ड से मुकाबला करने की तैयारी में मुकेश अंबानी!

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने पेमेंट सर्विसेज के लिए न्यू अंब्रैला एंटिटी (एनयूई) प्रस्तावित किया है। यह इन्फीबीम एवेन्यु, गूगल और फेसबुक के साथ रिलायंस का एक कंसोर्शियम होगा, जिसके जरिए रिलायंस की योजना ग्लोबल पेमेंट्स कंपनी बनने की है। जानकारी के मुता बिक रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनयूई के जरिए विदेश में पेमेंट सेवाओं की पेशकश कर सकती है। अगर कंपनी को ऑपरेटिंग लाइसेंस मिल जाता है तो कुछ बाजारों में यह वीजा और मास्टरकार्ड जैसे दिग्गजों के खिलाफ खड़ी होगी। सूत्रों का कहना है कि आरआईएल, एनयूई के साथ लांग टर्म प्लान बनाना शुरू कर चुकी है। एनयूई को आरआईएल की एक यूनिट के अलावा, इन्फीबीम एवेन्यु, फेसबुक और गूगल मिलकर प्रमोटर करेंगी। आरआईएल की इसमें 40 फीसदी हिस्सेदारी हो सकती है। बाकी तीन कंपनियों की हिस्सेदारी 20-20 फीसदी रह सकती है। यह भी जानकारी मिली है कि चारों कंपनियों के कंसोर्शियम ने एनयूई लाइसेंस के लिए पिछले सप्ताह आवेदन कर दिया है। एनयूई लाइसेंस मिलने के बाद चारों कंपनियों द्वारा मिलकर बनाई गई एंटिटी भारत में डिजिटल पेमेंट्स की प्रोसेसिंग में ज्यादा स्वायत्तता हासिल करने में सक्षम होगी।

एसबीआई ने ग्राहकों को दिया झटका, होम लोन पर बढ़ाई ब्याज दर

बिजनेस डेस्क:

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आम आदमी को झटका दिया है। एक अप्रैल 2021 से होम लोन की न्यूनतम ब्याज बढ़ गई है। एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार, ग्राहकों के लिए इस महीने से होम लोन की न्यूनतम दर 6.95 फीसदी हो गई है। पिछले महीने तक यह 6.70 फीसदी थी यानी इसमें 25 आधार अंक या 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है।

बैंक की वेबसाइट पर बताया गया है कि होम लोन एक्सटर्नल बेंचमार्क-लिंक्ड रेट (श्वक्लक) से अधिक अंक ऊपर उपलब्ध है। ईबीएलआर रेपो रेट से जुड़ा है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) तय करता है। मौजूदा समय में ईबीएलआर 6.65 फीसदी है। बैंक इस पर अतिरिक्त क्रेडिट रिस्क प्रीमियम लेता है, जिसके बाद होम लोन सात फीसदी पर उपलब्ध हैं। महिलाओं को इसमें पांच आधार अंकों की छूट मिलेगी। उनके लिए यह दर 6.95 फीसदी है।

अन्य बैंक भी उठा सकते हैं कदम

पिछले महीने तक एसबीआई ने सीमित अवधि के लिए 75 लाख रुपए तक का होम लोन 6.70 फीसदी ब्याज पर देने की पेशकश की थी। वहीं 75 लाख से पांच करोड़ रुपए के आवास ऋण पर ब्याज दर 6.75 फीसदी थी। एसबीआई द्वारा आवास ऋण की न्यूनतम दरों को बढ़ाए जाने के बाद अन्य बैंक भी इसी तरह कदम उठा सकते हैं।

इतना लगेगा प्रोसेसिंग शुल्क

बैंक ने आवास ऋण पर एकीकृत प्रोसेसिंग शुल्क भी लगाया है। यह ऋण की राशि का 0.40 फीसदी और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में होगा। प्रोसेसिंग शुल्क न्यूनतम 10,000 रुपए और अधिकतम 30,000 रुपए (और जीएसटी) होगा। पिछले महीने एसबीआई ने आवास ऋण पर प्रोसेसिंग शुल्क 31 मार्च तक माफ करने की घोषणा की थी।

मार्च 2021 तक बैंकों का सकल एनपीए 9.6-9.7प्रतिशत तक पहुंच सकता है: रिपोर्ट

नई दिल्ली:

ऋण की किस्त अदायगी में छूट जैसे राहत उपायों के चलते 31 मार्च 2021 तक बैंकों की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) 9.6-9.7 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। इक्रा रेटिंग के अनुसार, बैंकों का जीएनपीए मार्च 2022 तक और बिगड़ कर 9.9-10.2 प्रतिशत तक हो सकता है। रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कोविड-19 महामारी के चलते कर्ज लेने की क्षमता प्रभावित होने के बावजूद बैंकों के लिए सकल ताजा चूक वित्त वर्ष 2020-21 के पहले नौ महीनों के दौरान काफी कम 1.8 लाख करोड़ रुपए रही, जो वित्त वर्ष 2019-20 में 3.6 लाख करोड़ रुपए थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि विभिन्न राहत उपायों के चलते ऐसा हुआ, हालांकि, परिसंपत्ति गुणवत्ता को लेकर दबाव फिर से शुरू होने की आशंका है। इंक्रा ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि 31 मार्च 2021 तक जीएनपीए (राइट-ऑफ को छोड़कर) 9.6-9.7 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, और 31 मार्च 2022 तक यह आंकड़ा बढ़कर 9.9-10.2 प्रतिशत हो जाएगा।'' जीएनपीए 31 मार्च 2020 तक 8.6 प्रतिशत था। इंक्रा के क्षेत्र प्रमुख (वित्तीय क्षेत्र रेटिंग) अनिल गुप्ता ने कहा कि ऋण किस्त स्थगन जैसे राहत उपायों के बाद परिसंपत्ति की गुणवत्ता पर प्रभाव वित्त वर्ष 2021 और वित्त वर्ष 2022 में देखने को मिलेगा, क्योंकि विभिन्न हस्तक्षेपों और राहत उपायों ने बैंकों की लाभप्रदता और पूंजी पर एक बड़ी चोट को रोक दिया।

कोरोना का असर: 7 महीने के निचले स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियां, मार्च में 55.4 रहा पीएमआई

बिजनेस डेस्क:

देश की विनिर्माण गतिविधियों में वृद्धि की रफ्तार फिर सुस्त पड़ी है और मार्च में यह 7 माह के निचले स्तर पर आ गई है। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वे में कहा गया है कि कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने से देश में विनिर्माण गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। आईएचएस मार्किट इंडिया का विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च में घटकर सात माह के निचले स्तर 55.4 पर आ गया। फरवरी में यह सूचकांक 57.5 पर था। पीएमआई का 50 से अधिक का आंकड़ा वृद्धि, जबकि इससे नीचे का आंकड़ा संकुचन को दर्शाता है।

आगे का समय चुनौतीपूर्ण

आईएचएस मार्किट की एसोसिएट निदेशक (इकनॉमिक्स) पॉलियाना डि लीमा ने कहा, 'उत्पादन, नए ऑर्डर और खरीद के आंकड़ों की वृद्धि सुस्त रही है।' लीमा ने कहा कि सर्वे में शामिल लोगों का कहना है कि कोविड-19 के मामले बढ़ने से मांग की वृद्धि सुस्त पड़ी है। लीमा ने कहा, ''कोविड-19 की वजह से अंकुश बढ़ने और कुछ राज्यों में लॉकडाउन फिर लगाए जाने की वजह से भारतीय विनिर्माताओं के लिए अप्रैल काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक 1,03,558 मामले आए हैं। अब देश में संक्रमित लोगों का आंकड़ा 1,25,89,067 पर पहुंच गया है।

मार्च में रोजगार में गिरावट

लीमा ने कहा कि रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर नहीं मिल रही है। मार्च में भी रोजगार में गिरावट आई। इस तरह छंटनी का सिलसिला शुरू हुए अब एक साल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मार्च में कारोबारी विश्वास डगमगाया है। हालांकि, कुछ कंपनियों का कहना है कि आगामी 12 माह में उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। लेकिन अधिकांश कंपनियां मानती हैं कि स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने और सरकार द्वारा रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) के दायरे में रखने के लक्ष्य की वजह से मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना नहीं है। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक के नतीजे सात अप्रैल को आने हैं।

ऑपरेटरों के टैरिफ प्लान ग्राहकों की जरूरत को कितना पूरा कर रहे, ट्राई करेगा सर्वे

बिजनेस डेस्क:

दूरसंचार ऑपरेटरों के दर या टैरिफ प्लान उपभोक्ताओं की जरूरतों को किस हद तक पूरा कर पा रहे हैं इसका पता लगाने को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) सर्वे करेगा। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि नियामक उपभोक्ताओं के बीच सर्वे के जरिए यह पता लगाएगा कि ये प्लान विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं की आवश्कताओं की कितनी पूर्ति कर पा रहे हैं। ट्राई के एक अधिकारी ने बताया कि नियामक सर्वे के लिए किसी एजेंसी की सेवाएं लेगा। सर्वे जल्द शुरू होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि टैरिफ प्लान उपभोक्ताओं की वॉयस और डेटा की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने वाले होने चाहिए। इस विचार के पीछे यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य है कि उपभोक्ताओं पर किसी विशेष प्लान को लेने के लिए दबाव नहीं डाला जा सके। ट्राई संभवत- इस सर्वे के लिए एक एजेंसी की नियुक्ति करेगा। शुरुआत में यह सर्वे छोटे क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। सर्वे के तौर-तरीके और माध्यम अगले कुछ दिन में तय किए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि ट्राई को कुछ विसंगतियां दिखी हैं जिसके मद्देनजर सर्वे का फैसला किया गया है। अधिकारी ने कहा कि नियामक की कुल भूमिका बाजार पर निगाह रखने और यह सुनिश्चित करने की है कि उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण हो सके। अभी

ऑपरेटरों के पास दरें तय करने के लिए खुला हाथ होता है और उन्हें किसी प्लान को शुरू करने के सात कार्यदिवसों में इसकी जानकारी ट्राई को देनी होती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

कोविड-19 के कारण रूस ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स रद्द

नई दिल्ली । बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 से जुड़ी पाबंदियों के कारण दो सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंटों रूस ओपन 2021 और इंडोनेशिया मास्टर्स को रद्द कर दिया गया है। बीडब्ल्यूएफ ने बयान में कहा, ''मौजूदा कोविड-19 पाबंदियों और समस्याओं के कारण स्थानीय आयोजकों के पास टूर्नामेंट रद्द करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा, ''रूस के राष्ट्रीय बैडमिंटन महासंघ और बैडमिंटन इंडोनेशिया से सलाह मशविरे और बीडब्ल्यूएफ की सहमति से यह फैसला किया गया।'' रूस ओपन 20 से 25 जुलाई तक व्लादिवोस्तोक में खेला जाना था जबकि इंडोनेशिया मास्टर्स का आयोजन पांच से 10 अक्टूबर तक होना था। जून में होने वाले कनाडा ओपन को भी रद्द कर दिया गया है। हैदराबाद में 24 से 29 अगस्त तक सुपर 100 टूर्नामेंट हैदराबाद ओपन का आयोजन होना है लेकिन भारत में कोविड-19 से जुड़ी मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह देखना होगा कि इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा या नहीं।

आईपीएल 14 : अपना पहला खिताब जीतना चाहेगी पावर-पैक्ड बेंगलोर

नई दिल्ली।

कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर बेंगलोर आईपीएल के इस सीजन में पहली बार टूर्नामेंट का खिताब जीतना चाहेगी। दिल्ली और पंजाब की फ्रेंचाइजों के अलावा बेंगलोर ऐसी तीसरी टीम है जिसने अबतक आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। पिछले सीजन में बेंगलोर चार साल के लंबे अंतराल के बाद प्लेऑफ में जगह बनाने में कामयाब रहा था लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सका है। टीम का बल्लेबाजी क्रम अधिकर कोहली और एबी डीविलियर्स पर ही निर्भर रहता है। कोहली और डीविलियर्स के सस्ते में आउट होने की स्थिति में उसका अन्य कोई बल्लेबाज बड़ा स्कोर खड़ा करने में कम ही सफल हो पाता है। इस सीजन के लिए बेंगलोर ने अपनी टीम में ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 37 गेंदों पर शतक जड़ने वाले केरल के बल्लेबाज मोहम्मद अजहरूद्दीन और सचिन बेबी को शामिल किया है। मैक्सवेल के होने से बेंगलोर को मध्यक्रम में मजबूती मिलेगी। इसके अलावा उसने टीम में न्यूजीलैंड के काइल जैमिसन और ऑस्ट्रेलिया के डेनियल क्रिस्टियन को भी शामिल किया है। बेंगलोर की टीम हाल के वर्षों में तेज गेंदबाजी आक्रमण पर निर्भर रही है। ऑस्ट्रेलिया के डेनियल सैम और क्रिस्टियन के होने से उनके पास विकल्प मौजूद हैं। इसके अलावा टीम में केन रिचर्डसन भी हैं। बेंगलोर ने मैक्सवेल को खिलाड़ियों की नीलामी में 14.25 करोड़ रूपये जबकि जैमिसन को 15 करोड़ रूपये में अपनी टीम में शामिल किया था। बेंगलोर की टीम में मोहम्मद सिराज और नवदीप सैनी जैसे खिलाड़ी भी मौजूद हैं। बेंगलोर के पास स्पिन विभाग में एडम जम्पा, युजवेंद्र चहल और ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज मौजूद हैं। जम्पा ने पिछले सत्र में काफी कम मुकाबले खेले थे लेकिन भारत के लिए उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था और वह बेंगलोर के लिए बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। कोहली ने स्पष्ट किया था कि वह ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे लेकिन बेंगलोर को उस वक्त झटका लगा जब पिछले सीजन में उसके शीर्ष स्कोरर रहे देवदत्त पडीकल आईपीएल शुरू होने से पहले कोरोना का शिकार बन गए। पडीकल फिलहाल क्वारेंटीन में हैं। उन्होंने पिछले सत्र में 15 मैचों में 473 रन बनाए थे जबकि इस साल विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए खेलते हुए सात मैचों में 737 रन बनाए थे। पडीकल पहले मुकाबले से बाहर रह सकते हैं।

नौकायन : ओलंपिक बर्थ हासिल करने के लिए कुमानन ने की वापसी

ओमान।

भारत की नाविका नेथरा कुमानन ने भले ही यहां चले रहे मुसानाह ओपन चैंपियनशिप के पहले दिन उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया था लेकिन उन्होंने ओलंपिक कोटा हासिल करने के लिए दूसरे दिन वापसी की। कुमानन पहले दिन सातवें स्थान पर रही थीं। विश्व कप पदक जीतने वाली पहली महिला कुमानन दूसरे दिन रेस-3 में शीर्ष और रेस-4 में दूसरे स्थान पर रहीं। वह फिलहाल चैंपियनशिप के लेसर रेडियल इवेंट में बढ़त बनाए हुए हैं। इस वर्ग में रामया सरवानन और हर्षिता तोमर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं।कुमानन ने पिछले साल मियामी में हुए हेमपेल विश्व कप सीरीज में कांस्य पदक जीत इतिहास रचा था। वह भारत की ऐसी पहली महिला नाविका हैं जिन्होंने यहां पदक जीता है। दूसरे दिन लेसर स्टेंडर्ड क्लास में विष्णु सरवानन नौ अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वह रेस-3 में दूसरे और रेस-4 में चौथे स्थान पर रहे थे। मुसानाह ओपन में लेसर रेडियल और लेसर स्टेंडर्ड क्लासेस में दो एशिया स्पॉट मिलते हैं जबकि अन्य क्लासेस में टोक्यो के लिए एक स्पॉट मिलता है। 49एर क्लास में केसी गणपत्ति (हेल्म) और वरूण ठक्कर (क्रीयू) की जोड़ी कुल 20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। दोनों की जोड़ी रेस-4 में चौथे, रेस-5 में पांचवें और रेस-6 में तीसरे स्थान पर रही।

गोल्फ : वालेरो टेक्सास ओपन में पांचवें स्थान पर रहे लाहिड़ी

इस साल पांच कट मिस करने के बाद भारत के अग्रणी गोल्फ खिलाड़ी अनिर्बान लाहिड़ी ने अंततः आशातीत सफलता हासलि करते हुए यहां आयोजित वालेरो टेक्सास ओपन में रविवार को पांचवें स्थान के साथ फिनिश किया। यह इस साल लाहिड़ी का श्रेष्ठ पीजीए टूर नतीजा है। अंतिम दिन लाहिड़ी ने 3-अंडर 69 का कार्ड खेला और चार दिनों मे कुल 10 अंडर 278 का स्कोर हासिल करने में सफल रहे। अंतिम दिन 66 का कार्ड खेलने वाले अणेरिका के जॉर्डन स्पीथ ने पहला स्थान हासिल किया। लाहिड़ी ने टूर्नामेंट के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि सप्ताह के दौरान कुल मिलाकर, मैं अपने कई अवसरों को भुना नहीं पाया। मेरा खेल अच्छा रहा लेकिन मुझे अभी कई चीजों पर काम करना है। कुल मिलाकर मेरे लिए यह हफ्ता अच्छा रहा।

भारत ने 20 पदकों के साथ किया दुबई पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन

दुबई ।

विश्व विजेता प्रमोद भगत के यहां रविवार को शबाब अल एहली क्लब में तीसरे शेख हमदन बिन राशिद अल मक्तूम दुबई पैरा बैडमिंटन चैंपिशनशिप 2021 टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही भारत ने कुल 20 पदकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। शीर्ष भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ियों कृष्ण नागर और प्रेम कुमार अली ने भी टूर्नामेंट के अंतिम दिन संयुक्त एसएच 6 और मिश्रित युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच 2 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते। इस तरह भारत ने चार स्वर्ण, छह रजत और 10 कांस्य पदकों सहित ओवरऑल कुल 20 पदकों के साथ शीर्ष पर रहते हुए टूर्नामेंट में अपना अभियान समाप्त किया, जबकि चार स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य प्राप्त कर फ्रांस आठ पदकों के साथ दूसरे और मलेशिया सात पदकों (तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भगत ने 39 मिनट तक चले टक्कर के मुकाबले में हमवतन नितेश कुमार को 21-17, 21-18 से हरा कर पहला और बाद में मनोज सरकार के साथ पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 मुकाबले में हमवतन नितेश और सुकांत कदम को 21-18, 21-16 से हराकर कर फाइनल में प्रवेश किया और बाद में फाइनल मुकाबला जीत कर दूसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस बीच कृष्ण नागर ने मात्र 27 मिनट में ही पुरुष एकल में मलेशिया के दीदीन तेरसोह को 21-17, 21-18 से पराजित किया। वहीं राजा मगोत्रा के साथ पुरुष युगल एसएच6 के फाइनल मुकाबले में जेरेमिया नुंगी मारिंगा और एंथनी ओजवांग ओटवाल की केन्याई जोड़ी को 21-9, 21-8 से आराम से हरा कर स्वर्ण पदक जीत लिया। वहीं प्रेम कुमार अली पेरू ने रूस के तातियाना गुरेवा के साथ पुरुष युगल में स्विट्जरलैंड के लुका ओलगियाती और कैरिन सुटर-एरथ को 21-11, 21-18 से हराकर पेरू इंटरनेशनल 2020 के बाद अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा होनहार खिलाड़ी पलक कोहली (डब्ल्यूएस एसयू5), मानसी जोशी (डब्ल्यू एसएल3), सुकांत कदम (एमएस एसएल4), प्रेम कुमार अली और उसके साथी अबू हुबाइदा (एमडी डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2) ने अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में रजत पदक जीता।

संक्षिप्त समाचार

पीसीबी ने मानी गलती, कहा- पीएसएल के दौरान खिलाड़ियों की सुरक्षा के साथ हुआ था खिलवाड़

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की एक स्वतंत्र जांच समिति ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के छठे सत्र के लिये तैयार किये गये बायो-बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) को कई मौकों पर तोड़ा गया और सुरक्षा के साथ समझौता किया गया। पीसीबी ने पीएसएल छह के बायो-बबल में सेंध लगने की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया था। डॉ. सैयद फैसल महमूद और डॉ. सलमा मुहम्मद अब्बास की समिति ने पीसीबी अध्यक्ष एहसान मनी को 31 मार्च को अंतिम रिपोर्ट सौंपी। पीसीबी प्रमुख अब रिपोर्ट का अध्ययन करेंगे और कोई फैसला लेने से पहले बोर्ड के सदस्यों के साथ इसके विवरण को साझा करेगा। समिति से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि रिपोर्ट में किसी व्यक्ति विशेष को दोषी नहीं ठहराया गया है। रिपोर्ट ने इस बात की पुष्टि की कि कराची में टूर्नामेंट के दौरान से बायो-बबल से समझौता किया गया था। इस सूत्र ने कहा कि समिति ने यह भी सिफारिश की है कि बोर्ड जून में पीएसएल छह के फिर से शुरू होने पर किस तरह से हितधारकों के लिए सुरक्षित बायो-बबल सुनिश्चित कर सकता है। पीएसएल छह को मार्च में महज 10 मैचों के बाद कोविड-19 से जुड़े मामलों के कारण स्थगित कर दिया गया था। सूत्र के मुताबिक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कुछ हितधारकों ने बायो-बबल के टूटने के बारे में जानकारी दी लेकिन पीसीबी के अधिकारियों ने उसे गंभीरता से नहीं लिया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्राइटॉन को हराया, न्यूकासल ने टोटनहेम को बराबरी पर रोका

मैनचेस्टर . मार्कस रशफोर्ड और मैसन ग्रीनवुड के गोल के दम पर मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में ब्राइटॉन को 2-1 से हराकर तालिका में दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। तालिका में शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी (31 मैचों में 74 अंक) का खिताब जीतना लगभग तय है। मैनचेस्टर यूनाइटेड की 30 मैचों में यह 17वीं जीत है जिससे उसके 60 अंक हो गये। ब्राइटॉन ने डैनी वेलबेक के 13वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त बना ली थी लेकिन रशफोर्ड और ग्रीनवुड ने दूसरे हाफ में दो गोल कर मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीत दिला दी। एक अन्य मुकाबले में जो विलॉक के 85वें मिनट में किये गये गोल से न्यूकासल ने टोटेनहम को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया। जोलिंटन ने 28वें मिनट में न्यूकासल का खाता खोला लेकिन हैरी केन ने 30वें और 34वें मिनट में गोल कर टोटेनहम को 2-1 से बढ़त दिला दी। टीम ने हालांकि आखिरी मिनटों में इस बढ़त को गंवा दिया और उसे अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा।

सट्टेबाजी से हो सकती है फिक्सिंग, सरकार ने इसे वैध ना करके सही किया

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) के नए प्रमुख शब्बीर हुसैन शेखदम खंडवावाला नहीं चाहते कि भारत में सट्टेबाजी को वैध किया जाए क्योंकि इससे मैच फिक्सिंग को बढ़ावा मिलेगा और उनका मानना है कि उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती छोटी लीग से 'संदेहात्मक गतिविधियों' को खत्म करना है। कुछ लोगों का मानना है कि सट्टेबाजी को वैध करने से सरकार को भारी भरकम राजस्व मिलेगा लेकिन खंडवावाला इसे दूसरे तरीके से देखते हैं। खंडवावाला ने कहा, 'सरकार सट्टेबाजी को वैध करे या नहीं, यह अलग मामला है लेकिन एक पुलिस अधिकारी के नाते मेरा मानना है कि सट्टेबाजी से मैच फिक्सिंग को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने अब तक सट्टेबाजी को वैध नहीं करके सही किया है।' इस 70 वर्षीय पूर्व पुलिस अधिकारी ने कहा, 'सट्टेबाजी मैच फिक्सिंग को बढ़ावा देती है। इसलिए इसमें कोई बदलाव नहीं होना चाहिए, हम नियमों को और अधिक कड़ा बना सकते हैं। हम इस पर काम करेंगे।

यह काफी प्रतिष्ठा की बात है कि क्रिकेट अधिकांश रूप से भ्रष्टाचार से मुक्त है। इसके लिए बीसीसीआई को श्रेय नहीं दिया जाना चाहिए।' बीसीसीआई एसीयू के निवर्तमान प्रमुख अजित सिंह के अनुसार हालांकि सट्टेबाजी को वैध करना खेल में भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने का एक अन्य तरीका है। केंद्रीय मंत्री और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर ने भी पिछले साल खेलों में सट्टेबाजी को वैध करने का सुझाव दिया था। गुजरात के पूर्व पुलिस महानिदेशक खंडवावाला की इस मामले में हालांकि सोच अलग है। उन्होंने कहा, 'सट्टेबाजी भले ही कुछ देशों में वैध हो लेकिन जो लोग स्टेडियम में मैच देखने जाते हैं या टेलीविजन पर मैच देखते हैं वे इस खेल में विश्वास रखते हैं और यह सोचकर मैदान पर नहीं जाते कि मैच फिक्स है। हमें उनके विश्वास को बचाना होगा कि खेल सभी तरह के भ्रष्टाचार से मुक्त है।' शीर्ष स्तर पर खेल मुख्य रूप से पाक साफ है लेकिन स्थानीय और राज्य टी20 लीग में भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं।

सबसे छोटे प्रारूप के फलने फूलने के कारण खंडवावाला ने कहा कि इन लीग में 'संदेहास्पद' गतिविधियों की पहचान करना और उन्हें रोकना उनकी टीम की सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'हमारे शीर्ष खिलाड़ियों को इतना अच्छा भुगतान किया जाता है कि वे मैच फिक्सिंग की गंदगी से मीलों दूर हैं। हमें इस पर गर्व होना चाहिए।'

रिकी पोंटिंग का खुलासा- खराब फॉर्म के कारण पृथ्वी शॉ ने बल्लेबाजी करना छोड़ दिया था

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सत्र में जब पृथ्वी शॉ खराब दौर से गुजर रहा था तो उसने नेट्स पर बल्लेबाजी करने से इनकार कर दिया। पोंटिंग ने साथ ही उम्मीद जताई कि इस प्रतिभावान बल्लेबाज ने आगामी प्रतियोगिता से पहले बेहतरी के लिए अपनी ट्रेनिंग आदतों में सुधार किया होगा। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग दिल्ली कैपिटल्स में पिछले दो सत्र से 21 साल के पृथ्वी के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने याद किया कि पिछले सत्र में दो अर्धशतक जड़ने के बाद पृथ्वी जब खराब दौर से गुजरा तो उसने नेट्स पर बल्लेबाजी करने से ही इनकार कर दिया। चेन्नई में नौ अप्रैल से शुरू हो रहे आगामी टूर्नामेंट से पहले पोंटिंग ने कहा, ''पिछले साल अपनी बल्लेबाजी को लेकर उसका रोचक सिद्धांत था- जब वह रन नहीं बना रहा होता तो वह बल्लेबाजी नहीं करेगा और जब वह रन बना रहा होता है तो हमेशा बल्लेबाजी करना चाहता है। उन्होंने कहा कि उसने चार या पांच मैचों में 10 से कम रन बनाए और मैं उससे कह रहा था हमें नेट्स पर जाना चाहिए और देखना चाहिए कि समस्या कहां है। और उसने मेरी आंखों में देखा और कहा, 'नहीं, मैं आज बल्लेबाजी नहीं करूंगा।' मुझे यह बिलकुल भी समझ में नहीं आया। वह शायद बदल गया हो। मुझे पता है कि पिछले कुछ महीनों में उसने काफी काम किया है, उसका सिद्धांत शायद बदल गया हो और उम्मीद करता हूं कि ऐसा हुआ होगा क्योंकि अगर हम उससे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा पाए तो वह सुपरस्टार खिलाड़ी बन सकता है। पोंटिंग 29 मार्च को दिल्ली की टीम से जुड़े थे और आईपीएल के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में प्रवेश के लिए उन्होंने अपना एक हफ्ते लंबा पृथकवास पूरा कर लिया है। आस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पिछले साल वह पृथ्वी को सलाह देने से पीछे नहीं हटे लेकिन यह युवा बल्लेबाज अपने शब्दों पर टिका रहा। पोंटिंग को भरोसा है कि पृथ्वी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन करेगा। शायद उसने बेहतरी के लिए अपनी ट्रेनिंग आदतें बदल ली हों क्योंकि (उसकी सफलता) सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स के लिए नहीं है, मुझे यकीन है कि आप आगामी वर्षों में उसे भारत के लिए काफी क्रिकेट खेलते हुए देखोगे।

देवदत्त पडिक्कल कोरोना से संक्रमित, टीम प्रबंधन ने जारी किया हेल्थ अपडेट

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। फ्रेंचाइजी ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पडिकल गत 22 मार्च को कोरोना से संक्रमित पाए गए थे और तभी से वह क्वारंटीन में हैं। टीम प्रबंधन ने एक बयान में कहा, 'वह कोरोना होने के बाद से ही बेंगलुरु में अपने निवास पर अनिवार्य क्वारंटीन में हैं। अब वह कोरोना टेस्ट (आरटीपीसीआर) रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद ही टीम के बायो-बबल में शामिल होंगे। देवदत्त की सुरक्षा और एक दम स्वस्थ होना सुनिश्चित करने के लिए हमारी मेडिकल टीम उनके साथ संपर्क में है। वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और आईपीएल सीजन से पहले उन्हें टीम में शामिल करने के लिए हमसे इंतजार नहीं हो पा रहा है। उल्लेखनीय है कि आरसीबी ने रविवार को एक इंट्रा-स्क्वाड अभ्यास मैच खेला, जिसमें केवल 12 खिलाड़ी उपलब्ध रहे, क्योंकि अन्य खिलाड़ी फिलहाल क्वारंटीन में हैं। आरसीबी आगामी 9 अप्रैल को आईपीएल 2020 की चैंपियन मुंबई इंडियंस टीम के खिलाफ अपने आईपीएल 2021 अभियान की शुरुआत करेगा।

भारतीय महिला खिलाड़ी ओलम्पिक में धमाका करने के लिए तैयार : गीता फोगाट

वाराणसी ।

भारत की महिला ओलम्पिक खिलाड़ियों साक्षी मालिक और पीवी सिंधू ने पिछले ओलम्पिक में मेडल प्राप्त किए थे और इस बार के टोक्यो ओलम्पिक में भी भारत की महिला खिलाड़ी बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं। उक्त बातें वाराणसी पहुंची इंटरनेशनल वूमेन रेसलर गीता फोगाट ने कही। गीता फोगाट वाराणसी से संचालित तेजस्वनी स्ट्रांग वूमेन क्लब के पहले स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने पढ़ाई के साथ ही साथ खेल को भी आवश्यक बताया और कहा कि दोनों ज़रूरी है पर हम 100 परसेंट किसी एक चीज़ में ही दे सकते हैं। गीता फोगाट ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को खेल की दुनिया में आगे लाने के लिए मेरी योजना है, मै जल्द ही एक रेसलेनिग एकेडमी महिलाओं के लिए खोलने वाली हूं। उत्तर प्रदेश की अगर बात करें तो यहां की सरकार अपने खिलाड़ियों की जितनी हो सके उतनी मदद कर सके। यहां प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उत्तर प्रदेश में महिला खिलाड़ियों की कमी पर उन्होंने कहा कि ऐसा आप नहीं कह सकते। मेरी काफी सीनियर और इंरनेशनल रेसलर और अर्जुन अवाड़ी अलका तोमर जी मेरठ की निवासी हैं और इसके अलावा बनारस की सिंह सिस्टर्स को कौन नहीं जानता। इन्होने अपनी मेहनत और लगन से सफलता के मुकाम को पाया है। गीता ने पढ़ाई और खेल के साथ-साथ करने के सवाल पर कहा कि खेल के साथ-साथ हमें पढ़ाई भी करना चाहिए पर यदि आप की रूचि खेल में हैं तो खेल ज़रूर खेलें। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों में से किसी एक चीज़ में व्यक्ति परफेक्ट हो सकता है। यदि खेल में परफेक्ट होना है तो पढ़ाई में परफेक्शन नहीं आ सकता। आप दोनों जगह परफेक्ट नहीं हो सकते पर उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि पढ़ाई ज़रूरी है। सफलता के पीछे उन्होंने अपने माता-पिता का सम्पूर्ण योगदान बताया। उन्होंने कहा कि पिता ही हमारे कोच थे और उनसे ही हमने सारे दांव-पेच सीखे हैं। उन्होंने कभी ये नहीं सोचना कि लोग क्या सोचेंगे, ज़माना क्या सोचेगा। उन्होंने हमें खुली छूट दी और आज हम इस मुकाम पर हैं। किसी भी खिलाड़ी की सफलता के पीछे उसकी माता का बड़ा योगदान होता है।

पूर्व भारतीय गोलकीपर ने दिया बयान, कहा- खिलाड़ियों का हौसला टूट रहा

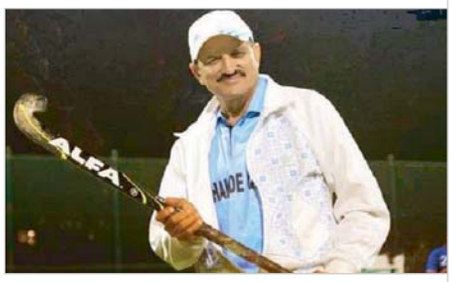

इंदौर । भारत के पूर्व गोलकीपर मीररंजन नेगी ने सोमवार को कहा कि खेल आयोजनों पर कोविड-19 की पाबंदियों के चलते खिलाड़ियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने सुझाया कि सरकार को उन खेलों की गतिविधियों को सिलसिलेवार तरीके से बढ़ावा देना चाहिए जिनमें खिलाड़ियों का आपस में कम संपर्क होता है। नेगी ने कहा कि कोविड-19 की पाबंदियों के चलते देश के कई स्टेडियमों और प्रशिक्षण अकादमियों में खेल गतिविधियां ठप पड़ी हैं। इससे न केवल खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि लगातार गिरते मनोबल के चलते उनके अवसाद में चले जाने का खतरा भी पैदा हो गया है। शाहरुख खान की प्रमुख भूमिका वाली फिल्म ÷चक दे इंडिया÷ (2007) से नयी ख्याति पाने वाले पूर्व गोलकीपर ने तल्ख लहजे में कहा, ÷फिलहाल क्रिकेट को छोड़कर अन्य खेलों की गतिविधियों को बहाल करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा दौर में हॉकी और फुटबॉल सरीखे उन खेलों को तो क्रमबद्ध तौर पर बढ़ावा दिया ही जा सकता है जिनमें खिलाड़ियों का आपस में कम संपर्क होता है। नेगी ने यह भी कहा कि सरकार को कोविड-19 से बचाव के उचित दिशा-निर्देशों के साथ खेल आयोजनों में ढील देनी चाहिए क्योंकि इनसे खिलाड़ियों की प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैरन नींद न आए...

महिलाओं में इनसोमनिया की समस्या

अनिद्रा और कम नींद उन समस्याओं में से है जिनसे महिलाएं अक्सर ग्रस्त रहती हैं। एक अनुमान के अनुसार पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अनिद्रा एवं नींद से जुड़ी समस्याएं दोगुनी होती है और इन समस्याओं के कारण उनके मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इससे वे कई गंभीर बीमारियों से पीड़ति हो जाती हैं। अनिद्रा यानी इनसोमनिया से ग्रस्त महिलाएं हाई ब्लड प्रेशर, दिल के दौरे और ब्रैन हेमरेज जैसी जानलेवा समस्याओं से ग्रस्त हो सकती हैं।

अनिद्रा की बीमारी से यूं तो करीब एक तिहाई आबादी ग्रस्त है लेकिन महिलाओं में इस बीमारी का प्रकोप बहुत अधिक है। हर दूसरी-तीसरी महिला को रात-रात भर नींद नहीं आने की शिकायत होती है। हालांकि नींद नहीं आने के कई कारण हैं लेकिन मौजूद समय में महिलाओं पर खास कर शहरी महिलाओं पर घर-दफ्तर की दोहरी जिम्मेदारी आने के कारण उत्पन्न तनाव और मानसिक परेशानियों ने भी ज्यादातर महिलाओं की आंखों से नींद चुरा लिया है। वहीं, नौकरीपेशा एवं महत्वाकांक्षी महिलाओं में शराब एवं सिगरेट का फैशन बढ़ने से भी उनमें यह बीमारी बढ़ी है।

प्रसिद्ध मनोचिकित्सक एवं नई दिल्ली स्थित कॉस्मोस इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड बिहैवियरल साइंसेस (सीआईएमबीएस) के निदेशक डॉ. सुनील मित्तल बताते हैं कि महिलाओं में कुदरती तौर पर ही अनिद्रा एवं कम नींद आने की समस्या अधिक होती है। इसके कई कारण हैं जिनमें खास हार्मोन का बनना, अधिक जिम्मेदारियां होना, डिप्रेशन और एंगजाइटी जैसी मानसिक समस्याएं अधिक होना आदि प्रमुख है।

डॉ. सुनील मित्तल बताते हैं कि अक्सर कई महिलाओं में यह देखा गया है कि उन्हें नींद आने में दिक्कत होती है तथा बीच रात में या बहुत सबेरे नींद खुल जाती है। इसका इलाज नहीं होने पर दिन भर थकान रहने, डिप्रेशन, चिड़चिड़ापन, कार्य क्षमता में कमी, दुर्घटना या चोट लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अनिद्रा की शिकार महिलाओं को रोजाना सात-आठ घंटे की नींद जरूरी है लेकिन अगर अच्छी और गहरी नींद आए तब चार-पांच घंटे की नींद ही पर्याप्त होती है।

सीआईएमबीएस की मनोचिकित्सक डॉ. शोभना मित्तल बताती हैं कि महिलाओं में नींद कम आने की समस्या केवल भारत में ही नहीं दुनिया में हर जगह है। महिलाओं में कम नींद आने के अलावा नींद के दौरान पैरों में छटपटाहट (रेस्टलेस लेग सिन्ड्रॉम) और नींद से उठकर खाना खाने की समस्या अधिक पायी जाती है। डॉ. भाटिया का कहना है कि टेलीविजन के दौर में देर रात तक धारावाहिक देखने की आदत के कारण भी महिलाओं की नींद खराब हो रही है। सीआईएमबीएस के मनोचिकित्सक डॉ. समीर किलानी कहते हैं कि अक्सर महिलाएं नींद से संबंधित परेशानियों को नजरअंदाज करती हैं लेकिन उन्हें इन समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए और चिकित्सकों से संपर्क करना चाहिए क्योंकि नींद की कमी के कारण लोगों, खास तौर पर युवकों में डायबीटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल से संबंधित रोग या मोटापा जैसी कई बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और इस पर ध्यान नहीं दिए जाने के परिणाम घातक भी हो सकते हैं।

सीआईएमबीएस की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मिताली श्रीवास्तव कहती हैं कि भरपूर नींद लेने से हमारी शारीरिक ऊर्जा को बनाए रखने में भी मदद मिलती है। नींद हमारे दिमाग और शरीर के लिए कई तरह से जरूरी है। नींद की स्वस्थ आदत किसी भी उम्र के व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसकी बेहतरी के लिए आवश्यक है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ ईएनटी विशेषज्ञ डा. संदीप सिंधु के अनुसार हालांकि नींद से जुड़ी खराटें की समस्या भी प्रमुख है। लेकिन यह समस्य पुरुषों में अधिक पाई जाती है लेकिन अधिक वजन की महिलाओं के अलावा रजोनिवृत महिलाओं को यह समस्या हो जाती है।

डॉ. सुनील मित्तल के अनुसार अनिद्रा अर्थात इनसोमनिया की बीमारी कई रूपों में सामने आती है। आम तौर पर यह किसी छिपी बीमारी का लक्षण है। इनसोमनिया किसी भी उम्र में हो सकती है और महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी होती है लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाएं इस बीमारी से काफी अधिक ग्रस्त रहती हैं।

इनसोमनिया कई कारणों से हो सकती है जिनमें से एक कारण रेस्टलेस लेग सिन्ड्रॉम है। ऐसे रोगियों की टांगें नींद में छटपटाती रहती है, जिससे दिमाग के अंदर नींद में बार-बार व्यवधान पड़ता है और बार-बार नींद खुलती रहती है। अधिक समय तक इस बीमारी से ग्रस्त रहने पर मरीज डिप्रेशन का भी शिकार हो जाता है क्योंकि इनसोमनिया के लक्षण उसे मानसिक रोगी बना देते हैं। इनसोमनिया की पहचान इसके लक्षणों से ही हो जाती है, लेकिन इसकी पुष्टि के लिए रोगी की नींद का अध्ययन करना जरूरी है क्योंकि जब तक रोगी की नींद का अध्ययन नहीं किया जाएगा बीमारी की गंभीरता का भी पता नहीं चल पाएगा।

शयन अध्ययन (स्लीप स्टडीज) के दौरान मरीज की हृदय गति, आंखों की गति, शारीरिक स्थिति, श्वसन मार्ग की स्थिति, ब्लड फ्लो आदि का मॉनीटर किया जाता है। इससे यह पता लग जाता है कि रोगी को सोने के समय क्या दिक्कत आती है। अनिद्रा स्वयं में बीमारी ही नहीं बल्कि दूसरी बीमारी या बीमारियों का लक्षण भी है और इसलिए इनसोमनिया का इलाज करने के लिए उसके मूल कारण को जानना और उस कारण का इलाज करना जरूरी है।

स्किन टोन के मुताबिक करें शेड्स का सिलेक्शन

लिपस्टिक खरीदने से पहले इन बातों का रखें खास ध्यान

लिपस्टिक एक आम चेहरे की खूबसूरती को दोगुना बढ़ाता है। कई महिलाएं लिपस्टिक खरीदते वक्त केवल शेड और ब्रांड के झांसे में आकर ऐसे शेड्स खरीद लेती हैं, जो उनके स्किन टोन और बजट के साथ मैच नहीं करता। गलत लिपस्टिक से चेहरा अजीब दिखने लगता है। इन परेशानियों से बचने के लिए ये टिप्स अपनाएं और अपनी परफेक्ट लिपस्टिक चुनें।

अपनी स्किन टोन के अनुसार शेड चुनें

स्किन टोन के हिसाब से लिपस्टिक के शेड अलग-अलग होते हैं। फेयर स्किन टोन के लिए लाइट पिंक, कोरल, पीच और न्यूड शेड बेहतर होते हैं। अगर आपकी नॉर्मल स्किन टोन है तो पिंक, मौव बेरी शेड्स ट्राई करें। सांवली स्किन टोन के लिए डार्क रेड शेड्स सही होते हैं।

बजट निर्धारित करें

कई बार हम क्वालिटी के फेर में महंगे विदेशी ब्रांड्स की लिपस्टिक खरीदने के बाद पछताते हैं, जबकि वही क्वालिटी कम दाम में हमें देशी कंपनियों में भी मिल जाती है। इसलिए महंगी लिपस्टिक खरीदने से पहले इन कंपनियों के बारे में जान लें।

लिपस्टिक की एक्सपायरी डेट चेक करें

आमतौर पर हर लिपस्टिक की शेल्फ लाइफ 3 साल होती है। ऐसे में खराब हो चुकी लिपस्टिक का इस्तेमाल आपके होठों पर बुरा असर डाल सकता है। इसलिए हमेशा शेल्फ लाइफ और एक्सपायरी डेट चेक कर ही लिपस्टिक लें।

अपनी स्किन पर ट्राई करें

लिपस्टिक को हमेशा अपनी कलाई पर ट्राई करें। इससे लिपस्टिक का सही शेड जानने में आसानी होती है।

लिपस्टिक के प्रकार

मौसम और मौके के अनुसार लिपस्टिक का प्रकार चुनें। बाजार में क्रीम, मैट, ग्लॉसी, लिप टिंट, लिप बाम जैसे कई लिप कलर मौजूद हैं।

नकली या रेप्लिका प्रोडक्ट खरीदने से बचें

बाजार में ओरिजिनल ब्रांड के लिप प्रोडक्ट के नाम से नकली प्रोडक्ट की भरमार है। इनकी पहचान करना भी मुश्किल है। इनका इस्तेमाल आपके होठों को खराब कर सकता है। इसलिए बड़े ब्रांड का प्रोडक्ट केवल ब्रांड स्टोर से ही लें।

नए शेड्स ट्राई करें

लिपस्टिक के कई बेहतरीन शेड्स मौजूद हैं, जो आपको एक नया लुक दे सकते हैं। इसलिए हर बार पुराने शेड्स खरीदने की बजाए नए शेड्स भी ट्राई करें।

गृभावस्था से जुड़े मिथक

गर्भवती महिला को सिर्फ आराम करना चाहिए, आयरन टेबलेट खाने से बच्चे होते हैं सांवले

जब एक महिला पहली बार गर्भवती होती है, तो इतने सारे सवाल जेहन में होते हैं कि वो सबकी बात मानने लग जाती हैं। हम आपको कुछ ऐसे ही प्रेग्नेंसी से जुड़े मिथक और उनकी सच्चाई बता रहे हैं।

आयरन टेबलेट से होने वाले बच्चे का रंग सांवला हो जाएगा

गांवों में ये मिथक बहुत प्रचलित होते हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि गर्भवती महिला में अगर खून की कमी होगी तो जच्चा-बच्चा दोनों को खतरा है। आयरन टेबलेट का बच्चे के रंग से कोई लेना-देना नहीं है।

गर्भवती महिला को पूरे समय सिर्फ आराम करना चाहिए

ये भी एक मिथक है। अगर प्रेग्नेंसी में कोई कॉम्प्लिकेशन है और डॉक्टर ने बेड-रेस्ट करने को कहा है तो ठीक है वरना एक गर्भवती महिला को सामान्य दिनचर्या अपनानी चाहिए। डॉक्टर की सलाह अनुसार एक्टिव रहना चाहिए। ये बच्चे के जन्म को आसान बनाता है और महिलाओं में वजन को अधिक बढ़ने से भी रोकता है।

अल्ट्रासाउंड- होने वाले बच्चे के लिए सुरक्षित नहीं

ये एक बहुत बड़ा भ्रम है । कई बार गर्भ में पल रहे बच्चे में विकसित किसी विकृति या प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशन के बारे में अल्ट्रासाउंड के जरिए ही पता चलता है जिसे समय रहते ठीक किया जा सकता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह अनुसार समय-समय पर अल्ट्रासाउंड कराना बेहद जरूरी है।

गर्भवती महिला को दो लोगों के हिसाब से डाइट लेनी चाहिए

संतुलित और पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है लेकिन दो लोगों के हिसाब से खाना यानी अधिक कैलोरी लेना। ये महिला के वजन को बेतहाशा बढ़ाएगा जो जच्चा-बच्चा दोनों के लिए ही खतरनाक हो सकता है।।

गर्भवती को ज्यादा बाहर नहीं जाना चाहिए

ये भी मिथक है। जब तक डॉक्टर ने मना न किया हो, आप सामान्य रूप से अपनी जिंदगी जिए। जितना एक्टिव रहेंगी उतना अच्छा होगा।

उम्र तो सिर्फ एक नंबर है, रिटायरमेंट के बाद भी ये टिप्स बनाए रखेंगी चुस्त-दुरुस्त

60 प्लस में भी रहें फिट

साठ की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते हम मान लेते हैं कि बस अब जिंदगी की ढलान शुरू हो गई है। हम ऐसा न भी मानें तो समाज बार-बार हमें एहसास दिलाता रहता है कि बस अब तुम्हारा समय खत्म हुआ। जबकि ऐसा है नहीं। 60 तो सिर्फ एक नंबर है, संख्या है, आप चाहें तो इस उम्र में भी फिट और हेल्दी रह सकती हैं। कैसे ये हम आपको बताते हैं-

दिल तो बच्चा है जी

ये सिर्फ कहने भर की बात नहीं है, अगर आप दिल से खुद को बच्चा मानती हैं तो वाकई 60 सिर्फ एक संख्या ही रह जाएगी। Im 25 का एक कांसेप्ट है। जहां आपको ये मानना है कि आप अभी 25 साल के ही हैं। फिर याद कीजिए कि 25 साल की उम्र में आप में कितना उत्साह था, जोश था। उस जोश को वापस जिंदगी में ले आइए- आप बूढ़े नहीं होंगे

शरीर भी हो जवान

दिल के साथ-साथ शरीर का भी तो साथ देना ज़रूरी है, लेकिन इसके लिए जवानी के दिनों से ही मेहनत शुरू करनी होगी। जैसे 30 साल की कमाई से जो बचाया वो रिटायरमेंट के बाद काम आता है, वैसे ही 30 साल जो शरीर के लिए किया वो 60 के बाद आपको जवान रखता है। तो शुरू से ही खान-पान और कसरत का ध्यान रखेंगे तो बुढ़ापा आपको छू भी नहीं पाएगा। हालांकि अगर पहले कुछ नहीं किया और अब शरीर के लिए कुछ करना चाह रही हैं, तो भी बुरा नहीं है। एक रूटीन बनाएं, पसंद की कसरत करें, खुश रहें और जवान दिखें।

डॉक्टरी जांच भी है ज़रूरी

साल में दो बार ओवरऑल चेकअप ज़रूर कराएं। इसे अतिरिक्त खर्च न मानें। बल्कि कोई दिक्कत है तो उसका समय रहते समाधान आसान है और कम खर्चीला भी।

4. दोस्तों का साथ

एक उम्र के बाद इंसान अकेला महसूस करने लगता है। कई बार परिवार हमारे साथ नहीं होता, लेकिन अगर हमारा एक ग्रुप है, दोस्त हैं- जिनसे आप सुख-दुःख की बातें कर सकते हैं, तो आपका मन प्रसन्न रहेगा और आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

एक्टिव रहें

खुद को एक्टिव रखें। जो काम आप पहले करना चाहती थीं, लेकिन समय का अभाव या दूसरी वजहों से नहीं कर पाईं, उन्हें अब पूरा कीजिए। ये आपको खुश भी रखेगा और फिट भी।

खान-पान का रखें ध्यान

एक उम्र के बाद पाचन शक्ति उतनी मज़बूत नहीं रहती, ऐसे में जरूरी है कि आपका खाना हल्का हो, पौष्टिक हो और आपके पसंद का भी हो। खुद भी खाने में नए और पौष्टिक प्रयोग कर सकती हैं।

कोरोनाकाल में ऐसे करें नवजात की देखभाल

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) के मुताबिक दुनियाभर में रोजाना 7 हजार नवजात दम तोड़ देते हैं। 2018 में 25 लाख बच्चों की जन्म के पहले ही माह में मौत हो गई। इस समय नवजातों की देखभाल और भी ज्यादा जरूरी है, क्योंकि कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है।हाल ही में मां बनने वाली महिलाओं के मन में कई सवाल हैं, जैसे संक्रमित हैं तो ब्रेस्टफीड कराएं या नहीं, नवजात को कोरोना का खतरा कितना है, कोरोनाकाल में बच्चे की देखभाल कैसे करें आदि। सवालों के जवाब दे रहे हैं जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियांशु माथुर-

बच्चों में कोरोना के मामले कम क्यों?

बच्चों में कोरोना होने के मामले इसलिए कम हैं, क्योंकि कोरोना जिस ACE2 रिसेप्टर की मदद से शरीर में एंट्री करता है, बच्चों में ये रिसेप्टर काफी कम पाए जाते हैं। इसलिए इनमें कोरोना की गंभीरता के मामले उतने सामने नहीं आ रहे जितने बड़ों में आ रहे हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है लापरवाही बरती जाए। बच्चे के आसपास सिर्फ मां और फैमिली मेम्बर्स को ही जाने दें, वो भी मास्क और हाथों को सैनिटाइज करने के बाद।

कोरोना संक्रमित मां ब्रेस्टफीड कराएं या नहीं?

अगर मां संक्रमित है तो भी नवजात को ब्रेस्टफीड करा सकती है, लेकिन उसे मास्क लगाना जरूरी है। अपनी मर्जी से ब्रेस्टफीडिंग कभी बंद न करें। मां के दूध से ही बच्चे की इम्युनिटी पॉवर बढ़ती है। इसलिए 6 माह तक बच्चे को अपना ही दूध पिलाना चाहिए। इसके अलावा खांसी या छींक के दौरान निकलने वाली लार की बूंदों से बच्चे को बचाएं और उन्हें बाहर लेकर न जाएं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केजरीवाल सरकार का बड़ा फैसला, दिल्ली में 24 घंटे खुले रहेंगे टीकाकरण केंद्र !

नयी दिल्ली। कोविड-19 टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के मद्देनजर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में एक तिहाई टीकाकरण केंद्रों को अब 24 घंटे संचालित करने का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों ने इस बाबत आदेश जारी किए हैं। वर्तमान में टीकाकरण केंद्रों का संचालन सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक किया जा रहा है। एक आदेश के मुताबिक कोविड-19 टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के मद्देनजर निर्णय लिया गया है कि टीकाकरण केंद्रों के संचालन समय में वृद्धि की जानी चाहिए। इसके मुताबिक यह आदेश दिया जाता है कि छह अप्रैल 2021 से दिल्ली सरकार के अस्पतालों में संचालित एक तिहाई टीकाकरण केंद्र रात नौ बजे से सुबह नौ बजे के बीच भी संचालित किए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि इन केंद्रों पर सहज संचालन के वास्ते कर्मचारियों की तैनाती के भी पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाएंगे। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 4,033 नए मामले सामने आए थे जबकि 21 मरीजों की मौत हुई थी।

पंजाब: लुधियाना में फैक्ट्री का लेंटर टूटकर नीचे गिरा, तीन की मौत सात घायल

लुधियाना। शहर के बाबा मुकंद सिंह नगर में सोमवार को एक फैक्ट्री की छत गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटनास्थल से करीब 40 लोगों को बाहर निकाला गया है, जिनमें से ज्यादातर श्रमिक हैं। अधिकारियों के अनुसार, घायलों में से तीन की हालत गंभीर बताई गई है। अभी यहां यह पता लगाने के प्रयास जारी हैं कि कहीं और लोग मलबे के बीच दबे तो नहीं हैं। उपायुक्त वरिंदर शर्मा ने कहा, '' फैक्ट्री का मालिक नगर निगम की अनुमति लिए बिना यहां काम करा रहा था।'' राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और निकाय इकाई की टीमें बचाव व राहत अभियान में जुटी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं एक व्यक्ति मलबे में मृत मिला जबकि एक अन्य व्यक्ति की मौत जख्म की वजह से अस्पताल में हो गई। लुधियाना पुलिस आयुक्त राकेश अग्रवाल ने बताया कि फैक्ट्री मालिक और ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

कोरोना को लेकर महाराष्ट्र और कर्नाटक के हालात पर नजर रखी जा रही है- प्रमोद सावंत

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को कहा कि राज्य में लॉकडाउन या कर्फ्यू लगाने की तत्काल कोई योजना नहीं है लेकिन पड़ोसी राज्यों में कोविड-19 की स्थिति पर उनकी सरकार नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में जांच की संख्या बढ़ाई गई है और लोगों से कोविड-19 संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है ताकि महामारी से निपटा जा सके। सावंत ने संवाददाताओं से कहा, ''गोवा में लॉकडाउन या कर्फ्यू लगाने की तत्काल कोई योजना नहीं है। महाराष्ट्र और कर्नाटक पर नजर रखी जा रहा है, जहां पर कोविड-19 के मामले चिंताजनक तरीके से बढ़ रहे हैं।'' उल्लेखनीय है कि गोवा में अबतक 59,068 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें से 2,077 मरीज उपचाराधीन हैं।

सिनेमा राजनीतिक करियर में बाधा बनता है तो मैं उसे छोड़ दूंगा: कमल हासन

कोयंबटूर। अभिनय से राजनीति के क्षेत्र में आये और मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन ने रविवार को अपनी राजनीति को जनसेवा का माध्यम करार देते हुए कहा कि यदि सिनेमा उनके राजनीतिक करियर में बाधा बनता है तो वह उसे छोड़ने को तैयार हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यदि वे मेरे राजनीतिक करियर में बाधा बनती हैं तो मैं अपनी मौजूदा फिल्मों को पूरा करने के बाद सिनेमा छोड़ दूंगा।''

ज्ञान का एक केंद्र है बंगाल, हिंसा और भ्रष्टाचार के चलते पिछड़ रहा: दिनेश त्रिवेदी

कोलकाता। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में काफी संख्या में कुशल श्रमिक, प्रशिक्षित इंजीनियर एवं पेशेवर लोगों की मौजूदगी होने के बावजूद राज्य हिंसा एवं भ्रष्टाचार की संस्कृति के चलते पिछड़ रहा है। हाल ही में भाजपा में शामिल हुए त्रिवेदी ने कहा कि रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचा तैयार करना और उद्योग लगाने के लिए ज्ञान के केंद्र के रूप में बंगाल के संसाधन का उपयोग करना राज्य में भाजपा के सत्ता में आने पर उसकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। त्रिवेदी (71) ने कहा कि भगवा पार्टी रोजगार सृजन और उद्योगों को आकर्षित करने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश की उम्मीद करती है। उन्होंने कहा कि राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाह और हवाईअड्डों के विकास से रोजगार का सृजन होगा। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, ''बंगाल ज्ञान का एक केंद्र है, फिर भी हम राज्य में उद्योग लगाने और रोजगार सृजन करने में इसका उपयोग करने में नाकाम रहे हैं। राज्य प्रति वर्ष जितनी संख्या में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को प्रशिक्षित करता है, उसके मद्देनजर यहां एक समानांतर सिलिकॉन वैली बनाने की गुंजाइश है।'' उन्होंने कहा कि बंगाल के इंजीनियरिंग कॉलेजों से पाठ्यक्रम पूरा कर निकलने वाले छात्रों का देश में अन्य स्थानों पर स्थित आई टी केंद्रों में और विदेश जाना जारी है।

ममता बनर्जी ने भरी हुंगार, बोलीं- मैं एक पैर से बंगाल जीतूंगी और दो पैर से दिल्ली

चुंचुड़ा। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि चोटिल होने के बावजूद वह राज्य का चुनाव जीतेंगी और आगे दिल्ली की सत्ता पर उनकी नजर होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में वहां के ही लोग शासन करेंगे। खुद को 'रॉयल बंगाल टाइगर' बताते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि पश्चिम बंगाल में किसी गुजराती का शासन नहीं होगा। बनर्जी ने कहा, ''(चोटिल होने के बावजूद) एक पैर से मैं बंगाल जीतूंगी और दो पैर से दिल्ली।''

बनर्जी ने कहा कि 10 मार्च को नंदीग्राम में भाजपा समर्थकों की कथित धक्का-मुक्की के कारण वह चोटिल हो गयी थीं। हालांकि, चुनावी पर्यवेक्षक की रिपोर्ट पर गौर करने के बाद चुनाव आयोग ने कहा था कि नंदीग्राम की घटना एक हादसा थी और सुनियोजित हमला नहीं हुआ था। छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सही से देश में शासन नहीं कर रही है और पार्टी ने पश्चिम बंगाल चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रखा है।

चुनाव जीतने के वास्ते प्रचार के लिए देशभर से नेताओं को लाने के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए बनर्जी ने एक जनसभा में कहा कि भगवा पार्टी ने विधानसभा चुनाव में मौजूदा सांसदों को उतारा है क्योंकि उसके पास योग्य उम्मीदवार ही नहीं है। भाजपा ने चुंचुड़ा विधानसभा सीट के लिए हुगली से लोकसभा सदस्य लॉकेट चटर्जी को मुकाबले में उतारा है। बनर्जी ने कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि प्रधानमंत्री मोदी उनके बारे में ''दीदी...ओ...दीदी' के लहजे में बात करते हैं। तृणमूल की कुछ महिला नेताओं ने इसे व्यंगयपूर्ण बताया है।

बनर्जी ने कहा, ''वह (मोदी) रोज ऐसा करते हैं, मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता।'' आठ चरणों में पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव कराने के औचित्य पर सवाल उठाते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, ''यह तीन या चार चरण में हो सकता था। क्या कोविड-19 के कारण कम चरण में और जल्दी चुनाव नहीं कराया जा सकता था।'' बनर्जी ने यह भी दावा किया कि राज्य में अब तक कोरोना वायरस की स्थिति उतनी गंभीर नहीं है। पश्चिम बंगाल में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1957 मामले आए थे।

बनर्जी ने स्वीकार किया कि चुंचुड़ा और सप्तग्राम के निवर्तमान विधायकों तपन मजूमदार और तपन दासगुप्ता से गलतियां हुईं। उन्होंने मतदाताओं से गलतियों को भूलकर एक बार उन्हें फिर से मौका देने की अपील करते हुए कहा कि आगे वे गलती नहीं करेंगे। बनर्जी ने कहा, ''अगर हम हुगली जिले में नहीं जीतेंगे तो बड़ी मुश्किल होगी।'' वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने हुगली जिले में 18 विधानसभा सीटों में से ज्यादातर पर जीत दर्ज की थी लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के कारण तृणमूल कांग्रेस का जनाधार घट गया।

जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी, नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन और तेज होगा: अमित शाह

रायपुर। (एजेंसी)।

गृह मंत्री अमित शाह ने जगदलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र सरकार और देश की तरफ से नक्सली हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सभी मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि निर्णायक लड़ाई की गति धीमी न हो इसका सुझाव अफसरों ने दिया।

उन्होंने कहा कि नक्सलवादियों के खिलाफ हमारी विजय निश्चित है। छत्तीसगढ़ में विगत पांच-छह सालों के भीतर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार ने काफी कैंप लगाए। उन्होंने कहा कि विकास के मोर्चे पर भी बहुत सारे काम हुए हैं। कोरोना के कारण एक साल में गति थोड़ी कम हुई है। मैं मानता हूं कि जितने भी सुझाव छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और मंत्रियों से मिले हैं, उन पर काम जारी है।

इस बीच गृह मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ

वर्षों में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने इस लड़ाई को दो कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ और भारत की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि इस घटना के बाद अब हम लड़ाई को और तीव्र करेंगे। गृह मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि बीजापुर मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी।

फडणवीस सरकार को छोड़कर पिछले दो दशक में हर सरकार में मंत्री रहे हैं अनिल देशमुख, अब देना पड़ा पद से इस्तीफा

नागपुर। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र राजनीति की बात करें तो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अनिल देशमुख एक ऐसा नाम है, जो पिछले दो दशक में देवेन्द्र फडणवीस नीत सरकार को छोड़कर हर सरकार में मंत्री पद पर रहे हैं। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को सीबीआई को निर्देश दिया कि महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर मुम्बई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा लगाये गये भ्रष्टाचार एवं कदाचार के आरोपों की प्रारंभिक जांच 15 दिन के भीतर पूरी की जाए। अदालत का यह फैसला मंत्री के लिए बड़ा झटका साबित हुआ और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल से अनिल देशमुख ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया। नागपुर जिले में कटोल के पास वाड्विहीरा गांव से नाता रखने वाले 70 वर्षीय देशमुख ने 1995 में बतौर निर्दलीय विधायक अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की और फिर तत्कालीन शिवसेना नीत सरकार को अपना समर्थन दिया, जिसके बदले में उन्हें राज्य में एक मंत्री बनाया गया। उस समय शिवसेना ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। वर्ष 1999 में उन्होंने शिवसेना-भाजपा सरकार से नाता तोड़ दिया और नवगठित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में शामिल हो गए। कटोल विधानसभा सीट से उन्होंने एक बार फिर जीत दर्ज की और 2001 में कांग्रेस-राकांपा सरकार में एक बार फिर मंत्री बने। देशमुख को मंत्रिमंडल में बदलाव के बाद मंत्री पद से हटा दिया गया था, लेकिन 2009 में एक बार फिर वह मंत्रिमंडल में शामिल हुए और खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग का कार्यभार उन्हें सौंपा गया। देशमुख को 2014 विधानसभा चुनाव में उनके ही भतीजे ने हराया, लेकिन 2019 में एक बार फिर कटोल सीट से उन्होंने चुनाव जीता। उन्होंने हाल ही में भाजपा पर हमला करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा में दावा किया था कि महाराष्ट्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बेहतरीन है।

ममता सभी अत्याचारों के खिलाफ 'अकेले' लड़ रही हैं, बंगाल उनके नेतृत्व में और विकास करेगा: जया बच्चन

कोलकाता। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी की सांसद और जानी-मानी अदाकारा जया बच्चन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की एक ऐसी महिला के तौर पर तारीफ की जो सभी अत्याचारों के खिलाफ 'अकेले' लड़ रही हैं। साथ में बच्चन ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि बंगालियों को 'धमकाकर' कोई भी कभी कामयाब नहीं हुआ है। बॉलीवुड के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन ने कहा कि वह समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए प्रचार करने आई हैं। यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के आठ चरणों में हो रहे चुनाव में ममता बनर्जी का समर्थन किया है।

जया बच्चन ने कहा, 'मैं ममता जी को बहुत पसंद करती हूं और उनका सम्मान करती हूं। वह अकेली महिला हैं जो सभी अत्याचारों के खिलाफ लड़ रही हैं।' उन्होंने कहा, 'सिर टूटा, पैर टूटा, लेकिन वे बंगाल को आगे ले जाने और दुनिया में एक सर्वश्रेष्ठ स्थान बनाने के लिए उनका दिल, दिमाग और दृढ़ता को नहीं तोड़ पाए।' अभिनेत्री ने कहा, 'वह जो चाहती हैं, उसे पूरा करती हैं। बंगाल उनके नेतृत्व में और विकास करेगा।' सपा के अलावा, राकांपा, शिवसेना, राजद और

जेएमएम जैसी पार्टियों ने टीएमसी का समर्थन किया है। वहीं वाम मोर्चा और कांग्रेस गठबंधन करके यह चुनाव लड़ रहे हैं।

जया बच्चन को 2019 तक कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता रहा है। उनके मुख्यमंत्री बनर्जी से अच्छे संबंध हैं। हालांकि उन्होंने बयान के बाद पत्रकारों के सवाल नहीं लिए। अपनी बंगाली जड़ों का हवाला देते हुए जया बच्चन ने कहा कि बंगालियों को 'धमकाकर' कोई भी कभीकामयाब नहीं हुआ है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'बंगाली कभी भी अपना सिर धमकी या डर के आगे नहीं झुकाते हैं।' बहरहाल, उन्होंने यह नहीं बताया कि बंगालियों को किस तरह से डराया जा रहा है।

जाहिर तौर पर भाजपा पर बंगाल को धार्मिक लाइन पर बांटने का आरोप लगाते हुए सपा नेता ने कहा, 'हमें रविंद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखी गईं इन पंक्तियों को याद रखना चाहिए कि 'बंगालीर प्राण बंगालीर मौन बंगालीर घरे जोतो भाई बोन एक होक एक होक हैं भगवान'।' इन पंक्तियों का मोटा-मोटा अनुवाद है- बंगाल के मस्तिष्क और आत्मा को कभी नहीं तोड़ा जा सकता है, हर बंगाली घर में भाइयों और बहनों के बीच के बंधन को कभी नहीं तोड़ा जा सकेगा। जया बच्चन ने यह भी कहा, ÷ मेरा धर्म मुझसे न छीनो, मेरा लोकतंत्र और मेरे लोकतांत्रिक अधिकार मुझसे नहीं छीनो। और जब मैं 'मैं' कहती हूं तो मैं सभी लोगों का प्रतिनिधित्व करती हूं।'

दिल्ली से भाजपा के प्रचारकों के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के बाहरी होने के तंज की ओर इशारा करते हुए जया बच्चन ने कहा, 'मैं बंगाली हूं लेकिन राज्य से बाहर पैदा हुई। शादी से पहले मेरा उपनाम भादुड़ी था।' उन्होंने दावा किया कि बनर्जी बंगाल के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ रही हैं और कहा कि उनकी आलोचना करने वालों को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'वह बंगाल के लोगों के अधिकारों और सम्मान के लिए लड़ रही हैं। यह महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य है। जो उनकी आलोचना करते हैं, उनके लिए मैं सिर्फ यह कहना चाहूंगी, शर्म करो, शर्म करो!' वह मंत्री और टॉलीगंज से टीएमसी उम्मीदवार और अनूप बिस्वास के लिए रोड शो में हिस्सा लेंगी और पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में कई जनसभाओं को संबोधित करेंगी।

किसान नेता राकेश टिकैत की धमकी, कृषि बिल वापस नहीं लिया तो गुजरात में ट्रैक्टर आंदोलन करेंगे

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने गुजरात में किसान ट्रैक्टर आंदोलन शुरू करने की धमकी देते हुए सोमवार को कहा कि राज्य की राजधानी गांधीनगर का घेराव करने का समय आ गया है और

जरूरत पड़ी तो बैरिकेड भी तोड़ेंगे। साबरमती आश्रम के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए टिकैत ने दावा किया कि गुजरात के किसान खुश नहीं हैं और त्रस्त हैं। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ सैकड़ों किसान पिछले साल नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं।

उनकी मांग है कि सरकार इन कानूनों को निरस्त करे और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाए। प्रदर्शनकारी किसानों ने 26 जनवरी को दिल्ली में ट्रैक्टर परेड निकाली थी। टिकैत ने कहा, 'किसान अपने ट्रैक्टरों का उपयोग करके गुजरात में आंदोलन करेंगे। गांधीनगर के घेराव और सड़कों को अवरूद्ध करने का समय आ गया है। यदि जरूरत पड़ी तो हम बैरिकेड भी तोड़ेंगे।' भाकियू के नेता तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रचार करने के लिए रविवार से गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं। यात्रा के दूसरे दिन, टिकैत ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला के साथ साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। टिकैत ने कहा, 'यहां आंदोलन न होने से किसान त्रस्त हैं। किसानों को यह कहने को मजबूर किया जाता है कि वे खुश हैं और लाभ कमा रहे हैं। कृपया हमें भी वह तकनीक दें जो गुजरात के किसानों को लाभ कमाने में मदद कर रही है।'

उन्होंने दावा किया कि बनासकांठा के किसान तीन रुपये प्रति किलोग्राम की दर से आलू बेचने को मजबूर हैं। गुजरात के लिए भावी योजना के बारे में पूछने पर टिकैत ने कहा, 'क्या यह किसानों को खुश करने के लिए पर्याप्त है? हम यहां किसानों के मन से डर निकालने आए हैं। हम शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करेंगे।' बाद में, टिकैत और वाघेला आणंद जिले के करमसद शहर पहुंचे और सरदार वल्लभभाई पटेल को उनके पैतृक स्थान पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद टिकैत सूरत के बारदोली के लिए रवाना हो गए जहां वह शाम में किसानों को संबोधित करेंगे।

फीस लेती नहीं देती है कर्नाटक की यह टीचर, बच्चों का भविष्य बनाने के लिए हर साल करती है पैसा डिपोज़िट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कर्नाटक की 32 वर्षीय रेखा कुलल जिन्होंने अपनी एजुकेशन छात्रवृत्ति के जरिए पूरी की आज वहीं कक्षा 1 के बच्चों को पढ़ाने के लिए हर एक बच्चे के अकाउंट में 1000 रूपये जमा कर रही है ताकि उन बच्चों की पढ़ाई अच्छे से पूरी हो सके। टीओआई की एक खबर के मुताबिक,दूसरों की मदद से अपनी पढ़ाई पूरी करने वाली रेखा ने साल 2014 से ही इन बच्चों के अकाउंट में हर साल 1000 रुपये डालने का फैसला किया और इसे 10 साल के लिए लॉक-इन कर दिया है। रेखा का ऐसा करने का उद्देश्य केवल बच्चों की पढ़ाई पूरी करवाना है और यह सुनिश्चित करना है कि एक बार जब उनके वंचित छात्रों की दसवीं कक्षा पूरी हो जाती है, तो वह अपनी बाकी बची पढ़ाई को पूरा करने में हिचकिचाए नहीं।

ऐसे हुई रेखा की जर्नी की शुरूआत!

सात साल पहले रेखा ने अपनी इस जर्नी की शुरूआत केवल 5 बच्चों के साथ की थी, जिसके बाद इसकी संख्या 63 हुई। अपने स्कूल के दिनों में वित्तीय कठिनाइयों से परेशान, रेखा ने अपनी शिक्षा पूरी करने और खुद को पढ़ाने के लिए एमएस नागराजा राव नाम के एक उच्च विद्यालय के शिक्षक के रूप में काम भी किया। रेखा ने टीओआई से बात करते हुए बताया कि, बैंक अकाउंट में पैसे डालना उच्च शिक्षा में छात्रों की मदद करने का एक छोटा सा तरीका है। उन्होंने कहा कि, इस पहल से समाज के कर्तव्य का निर्वाहण हो रहा है। आपको बता दें कि इस पहल को स्कूल विकास प्रबंधन समिति के सदस्यों और अध्यक्ष और विद्यालय के प्रधानाध्यापक के गणेश और अन्य कर्मचारियों द्वारा समर्थित और सराहा गया है।

छात्रों और अभिभावकों द्वारा 'बॉन्ड मैडम' के नाम से बुलाई जाने वाली रेखा, होसानगर में अपने स्कूल तक पहुंचने के लिए लगभग दो घंटे का एक रास्ता तय करती है। बता दें कि स्कूल से रेखा का घर 50 किमी की दूरी पर है। शॉर्ट स्टोरी और आर्टिकल के अलावा रेखा एक वॉयसओवर कलाकार भी है। रेखा ने टीओआई से कहा, 'जब तक मैं सेवा में हूं, तब तक मैं छोटे लोगों के लिए बांड में निवेश करना जारी रखूंगी।'

राहुल गांधी का आरोप, छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान की योजना सही ढंग से नहीं बनाई गई

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान की सही तरीके से तैयारी नहीं की गई और इसका क्रियान्वयन भी 'अयोग्यतापूर्वक' किया गया। उन्होंने यह भी कहा, ''हमारे जवानों को जब चाहे तब शहीद होने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता।'' गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर शनिवार को सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल के 22 जवान शहीद हो गए हैं तथा 31 अन्य जवान घायल हुए हैं। राहुल गांधी ने सीआरपीएफ के महानिदेशक कुलदीप सिंह के एक बयान से जुड़ी खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, ''अगर खुफिया नाकामी नहीं थी तो फिर 1:1 के अनुपात में मौत का मतलब यह है कि इस अभियान की योजना को खराब ढंग से तैयार किया गया तथा अयोग्यतापूर्वक इसका क्रियान्वयन किया गया।'' उन्होंने यह भी कहा, ''किसी भी भारतीय जवान को 21 वीं सदी में शारीरिक सुरक्षा कवच के बिना दुश्मन का सामना नहीं करना चाहिए। यह हर सैनिक को उपलब्ध कराया जाना चाहिए।'' उधर, अधिकारियों ने बताया कि इस मुठभेड़ में शहीद हुए 22 जवानों में सीआरपीएफ के आठ जवान शामिल हैं, जिसमें से सात कोबरा कमांडो से जबकि एक जवान बस्तरिया बटालियन से है। शेष डीआरजी और विशेष कार्यबल के जवान हैं। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के एक इंस्पेक्टर अब भी लापता हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)